राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 09 जनवरी 2026 वर्ष-8,अंक-313 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तेलंगाना में कार डिवाइडर से टकराई, 4 छात्रों की मौत

■ एक छात्रा घायल, बर्थडे पार्टी से लौट रहे थे सभी

एजेंसी

तेलंगाना। रंगा रेड्डी जिले के चेवेल्ला इलाके में बधुवार देर रात एक तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में कऋऋकबिजनस स्कूल के चार छात्रों की मौत हो गई। हादसे में एक छात्रा घायल है। इसकी हालत गंभीर है। पुलिस के मुताबिक कार डिवाइडर से टकराने के बाद पेड़ में घुस गई। पुलिस ने बताया का हादसा रात करीब 1:30 बजे मोकीला थाना क्षेत्र में हुआ। सभी छात्र दोस्त की जन्मदिन की पार्टी से लौट रहे थे। स्पीड ज्यादा तेज होने के कारण ड्राइवर ने कार से कंट्रोल खो दिया। पुलिस ने बताया कि सभी मृतकों और घायल की पहचान कर ली गई है। मृतकों के नाम कारगयाला सुमित (20), निखिल (20), देवाला सूर्या तेजा (20) और बलमूरी रोहित (18) हैं। घायल छात्रा का नाम सुंकारी नक्षत्रा है। पुलिस ने बताया कि पीड़ित को तुंरत अस्पताल भेज दिया गया जिसका इलाज जारी है।

'आजम खां बीमार...जेल में नहीं मिल रही सुविधा

■ बेड तक नहीं दिया', मुलाकात के बाद बोलीं: पत्नी तजीन फात्मा

एजेंसी

रामपुर। सपा नेता आजम खां से उनकी पत्नी तजीन फात्मा ने जेल में मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने बताया कि आजम खां इन दिनों बीमार हैं। उनको जेल में सुविधा नहीं मिल रही है। सपा नेता आजम खां से उनकी पत्नी तजीन फात्मा ने जेल में मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने बताया कि आजम खां इन दिनों बीमार हैं। उनको जेल में सुविधा नहीं मिल रही है। मगर इसका कोई फायदा नहीं हो रहा है। इससे पहले भी तजीन फातिमा ने अपने बड़े बेटे अदीब आजम के साथ जेल में बंद सपा नेता से मुलाकात कर चुके हैं। आजम इन दिनों बेटे अब्दुल्ला आजम के दो पैन कार्ड केस में सजा मिलने के बाद रामपुर जेल में बंद है। उनको कोर्ट ने सात साल की सजा सुनाई है।

सुप्रीम कोर्ट बोला: कुत्ते इंसानी डर पहचानते हैं, इसलिए काटते हैं

वकील बोले: देश में सिर्फ 5 सरकारी शेल्टर, हमें इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में आवारा कुत्तों से जुड़े मामलों पर गुरुवार को लगातार दूसरे दिन ढाई घंटे सुनवाई हुई। कोर्ट ने कुत्तों के बिहेवियर को लेकर चर्चा की। जस्टिस नाथ ने कहा कि कुत्ते इंसानों का डर पहचान लेते हैं इसलिए काटते हैं। इस पर एक वकील (कुत्तों के फेवर वाले) ने इनकार किया। फिर जस्टिस ने कहा- अपना सिर मत हिलाइए, ये बात मैं पर्सनल एक्सपीरियंस से बोल रहा हूं। उधर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि राज्यों ने जो आंकड़े दिए हैं। उनमें से किसी ने यह नहीं बताया कि नगर पालिकाओं की तरफ से कितने शेल्टर चलाए जाते हैं। देश में सिर्फ 5 सरकारी शेल्टर हैं। इनमें से हर एक में 100 कुत्ते रह सकते हैं। हमे इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरत है। इससे पहले सुनवाई के दौरान एनिमल वेलफेयर की तरफ से दलील दे रहे एडवोकेट सीयू सिंह ने कुत्तों को हटाने या शेल्टर होम भेजने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि कुत्ते हटाने से चूहों की आबादी बढ़ेगी। इस पर कोर्ट ने मजाकिया अंदाज में कहा- तो क्या बिल्लियां ले आएं? इस मामले पर पिछले 7 महीनों में छह बार सुनवाई हो चुकी है। पिछले साल नवंबर में सुप्रीम कोर्ट ने स्कूलों, अस्पतालों, बस स्टैंड, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और रेलवे स्टेशनों से आवारा कुत्तों को हटाने का आदेश दिया था। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा था कि इन जानवरों को तय शेल्टर में ट्रांसफर किया जाए।

याचिकाकर्ता के एक वकील ने कहा हर पालतू कुत्ते का मालिक होता है। जबकि आवारा कुत्ते का कोई मालिक नहीं होता। न ही यह राज्य की जिम्मेदारी है। हालांकि राज्य का काम वैक्सीनेशन वगैरह देना है। ABC नियम ऐसे होने चाहिए कि मेरे घर तक का रास्ता सुरक्षित रहे। वकील (कुत्तों को हटाने के पक्ष में) ने कहा कि अदालत का आदेश सिर्फ संस्थानों तक सीमित नहीं होना चाहिए। बल्कि उसे रिहायशी इलाकों पर भी लागू किया जाना चाहिए। कुत्ते को समझाना (काउंसलिंग) संभव नहीं है, लेकिन कुत्ते की देखभाल करने वाले या मालिक को समझाया जा सकता है। हर डॉग लवर और एनजीओ को याचिका लगाने में एक तय राशि जमा करनी होती है। इस शर्त को हटाया जाए। इस पर कोर्ट ने हल्के अंदाज में जवाब दिया- अगर हमने यह शर्त नहीं रखी होती, तो यहां पंडाल लगाना पड़ता। कुत्तों की मॉनिटरिंग के लिए पहले उनकी गिनती जरूरी है जो आखिरी बार 2009 में हुई थी। सिर्फ दिल्ली में 5,60,000 कुत्ते थे। सेंटर्स की हाउसिंग कैपेसिटी के हिसाब से ही तय संख्या में जानवरों को पकड़ा जाना चाहिए। कैपेसिटी है ही नहीं, तो आप उन्हें कहां रखेंगे? एक वकील (कुत्तों को न हटाने के फेवर में) ने कहा- दिल्ली में चूहे और बंदरों का भी खतरा है।

ममता बोलीं: प्रधानमंत्री जी अपने होम मिनिस्टर को कंट्रोल कीजिए

टीएमसी आईटी सेल इंचार्ज के घर-ऑफिस पर पड़े थे छापे, एक्शन के बीच फाइल उठाकर निकलीं

एजेंसी

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने गुरुवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कथित कोयला तस्करी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में छापेमारी के दौरान रुकावट पैदा की। वे कोलकाता में पॉलिटिकल कंसल्टेंट फर्म I-PAC के डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर में जबरन घुसीं और अपने साथ कई फिजिकल डाक्यूमेंट्स और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस ले गईं। ED के मुताबिक, इसके बाद मुख्यमंत्री सॉल्ट लेक स्थित I-PAC कार्यालय भी पहुंचीं। यहां भी राज्य की पुलिस की मदद से अहम सबूत जबरन अपने साथ ले गईं। प्रतीक जैन ममता की पार्टी टीएमसी के आईटी सेल के हेड भी हैं। ममता ने इस कार्रवाई को राजनीति से प्रेरित बताया और कहा- मुझे माफ करें प्रधानमंत्री जी, कृपया अपने गृह मंत्री को कंट्रोल करें। इस कार्रवाई के विरोध में ममता कल 2 बजे मार्च निकालेंगी। सबूतों से छेड़छाड़ के मामले में एऊ ने कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उधर, I-PAC ने भी सर्च की वैधता को चुनौती दी है। मामले की सुनवाई शुक्रवार को जस्टिस सुवरा घोष की बेंच में होगी। वहीं, प्रतीक जैन के परिवार ने शेक्सपीयर सरानी पुलिस स्टेशन में एऊ अधिकारियों के खिलाफ महत्वपूर्ण दस्तावेजों की चोरी का आरोप लगाते हुए शिकायत कराने का फैसला किया है। ED ने गुरुवार को मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रतीक जैन के घर और ऑफिस में छापेमारी की। यह कार्रवाई सुबह 6 बजे से शुरू हुई थी, लेकिन करीब 11:30 बजे के बाद मामला बढ़ा। सबसे पहले कोलकाता पुलिस कमिश्नर, प्रतीक के आवास पर पहुंचे। कुछ समय बाद सीएम ममता बनर्जी खुद लाउडन स्ट्रीट स्थित उनके घर पहुंच गईं। ममता वहां कुछ देर रुकीं। जब बाहर निकलीं, तो उनके हाथ में एक हरी फाइल दिखाई दी। इसके बाद वे I-PAC के ऑफिस भी गईं। उन्होंने कहा-

गृहमंत्री मेरी पार्टी के दस्तावेज उठवा रहे हैं। एऊने कहा कि पश्चिम बंगाल में 6 और दिल्ली में 4 ठिकानों पर छापेमारी की गई। सीएम ममता ने छापेमारी को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया और इसके पीछे BJP की साजिश का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि क्या ईडी और अमित शाह का काम पार्टी की हार्ड डिस्क और उम्मीदवारों की सूची जब्त करना है? यह एक घटिया और शरारती गृह मंत्री है, जो देश की सुरक्षा नहीं कर पा रहा है। मेरी पार्टी के सभी दस्तावेज उठाकर ले गए हैं। एक तरफ वे पश्चिम बंगाल में रक्फ के जरिए मतदाताओं के नाम हटाने का काम कर रहे हैं। दूसरी तरफ इस तरह की कार्रवाई की जा रही है। मुझे माफ करें प्रधानमंत्री जी, कृपया अपने गृह मंत्री को कंट्रोल करें। अगर आप (BJP) हमसे लड़ नहीं सकते, तो आप बंगाल क्यों आ रहे हैं? हमें लोकतांत्रिक तरीके से हराइए।

राजधानी की हवा खराब श्रेणी में बरकरार

■ एनसीआर में गाजियाबाद की हवा सबसे प्रदूषित

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी में हवा की दिशा बदलने से वायु प्रदूषण खराब श्रेणी में बरकरार है। ऐसे में बृहस्पतिवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 280 दर्ज किया गया। यह हवा की खराब श्रेणी है। इसमें बुधवार की तुलना में 9 सूचकांक की गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर, एनसीआर में गाजियाबाद की हवा सबसे अधिक प्रदूषित रही। यहां एक्यूआई 296 दर्ज किया गया, यह हवा की खराब श्रेणी है। वहीं, ग्रेटर नोएडा में 290, नोएडा में 294 और गुरुग्राम में 290 एक्यूआई दर्ज किया गया। इसके अलावा, फरीदाबाद की हवा सबसे साफ रही। यहां सूचकांक 223 दर्ज किया गया। यह हवा की खराब श्रेणी है। दिल्ली में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए निर्णय सहायता प्रणाली के अनुसार, वाहन से होने वाला प्रदूषण 14.58 फीसदी रहा। इसके अलावा पेरिफेरल उद्योग से 12.38, आवासीय इलाकों से 3.57, निर्माण गतिविधियों से 1.85 और कूड़ा जलाने की 1.27 फीसदी की भागीदारी रही। सीपीसीबी के अनुसार, बृहस्पतिवार को हवा पश्चिम दिशा से 15 किलोमीटर प्रतिघंटे की गति से चली। वहीं, अनुमानित अधिकतम मिश्रण गहराई 1050 मीटर रही। इसके अलावा, वेंटिलेशन इंडेक्स 3500 मीटर प्रति वर्ग सेकंड रहा। दूसरी ओर, दोपहर तीन बजे हवा में पीएम10 की मात्रा 205.3 और पीएम2.5 की मात्रा 116.6 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज की गई। वहीं, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) का पूवार्नुमान है कि शुक्रवार को हवा बेहद खराब श्रेणी में पहुंचने की आशंका है।

वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल के बेटे का निधन, स्कीइंग के दौरान घायल हुए थे अग्निवेश

एजेंसी

मुम्बई। वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल के बेटे अग्निवेश अग्रवाल का 49 साल की उम्र में निधन हो गया है। अग्निवेश अमेरिका में स्कीइंग के दौरान घायल हो गए थे, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए न्यूयॉर्क के माउंट सिनाई अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 7 जनवरी 2026 को अस्पताल में ही उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया। पिता अनिल अग्रवाल ने रात करीब 10 बजे सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। अनिल ने लिखा, "हमें लगा था कि बुरा वक्त बीत चुका है, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर

था।" उन्होंने अपने बेटे को याद करते हुए इसे जीवन का सबसे अंधकारमय दिन बताया। वे बेटे से किए वादे को निभाते हुए अपनी निजी कमाई का 75% हिस्सा दान करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनिल अग्रवाल के पोस्ट रिप्लाई करते हुए पर लिखा "अग्निवेश अग्रवाल का अचानक चले जाना बहुत झकझोर देने वाला और दुखद है। आपके इस भावुक संदेश से आपके गम की गहराई साफ दिख रही है। दुआ है कि आप और आपका परिवार लगातार हिम्मत और ताकत पाएं। ओम शांति।" अग्निवेश अग्रवाल का जन्म 3 जून 1976 को पटना में हुआ था। उनकी शुरूआती पढ़ाई अजमेर के मेयो कॉलेज से हुई थी। अग्निवेश अग्रवाल की शादी की जानकारी सार्वजनिक तौर पर उपलब्ध नहीं है, लेकिन कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी शादी 2001 में पूजा बांगर से हुई थी। पूजा, श्री सीमेंट के मैनेजिंग डायरेक्टर हरि मोहन बांगर की बेटी हैं। अग्निवेश की बहन प्रिया अग्रवाल हेब्बर हैं, जो अभी हिंदुस्तान जिंक की चेयरपर्सन और वेदांता में नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर की जिम्मेदारी संभाल रही हैं।

एमपी हाईकोर्ट ने कहा: प्रोबेशन में वेतन कटौती करना अवैध

एजेंसी

जबलपुर। हाईकोर्ट से मध्य प्रदेश के हजारों सरकारी कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने प्रोबेशन पीरियड के दौरान वेतन में की गई कटौती को अवैध करार देते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिए हैं कि जिन कर्मचारियों से इस अवधि में सैलरी काटी गई है, उन्हें एरियर्स सहित पूरी राशि लौटाई जाए। हाईकोर्ट ने सामान्य प्रशासन विभाग (GAD) का 12 दिसंबर 2019 को जारी परिपत्र निरस्त कर दिया है, जिसके तहत नई भर्तियों में प्रोबेशन के पहले वर्ष 70%, दूसरे वर्ष 80% और तीसरे वर्ष 90% वेतन दिया जा रहा था। कोर्ट के इस

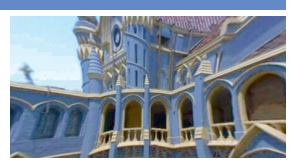

फैसले से करीब 2 लाख कर्मचारियों को फायदा मिलेगा। जस्टिस विवेक रूसिया और जस्टिस दीपक खोट की डिवीजन बेंच ने कहा कि जब सरकार कर्मचारियों से 100 प्रतिशत काम ले रही है, तो प्रोबेशन के नाम पर वेतन में कटौती का कोई औचित्य नहीं है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि प्रोबेशन अवधि में भी ह्रसमान काम के लिए समान वेतनह्व का सिद्धांत पूरी तरह लागू होगा।

दिल्ली में पत्थरबाजी मामला: सपा सांसद से पूछताछ करेगी पुलिस

फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास एक्शन, नेता बोले: रिएक्शन तो होगा ही

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में 6 जनवरी की रात फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास हुई पत्थरबाजी को लेकर सपा सांसद मोहिबुल्लाह नदवी से पूछताछ की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली पुलिस के सीनियर अधिकारियों के बार-बार कहने के बावजूद नदवी घटनास्थल से नहीं गए और आसपास मौजूद रहे। पुलिस ने CCTV फुटेज से पत्थरबाजी में शामिल 30 लोगों और सोशल मीडिया पर मस्जिद गिराने की अफवाह फैलाने वाले 10 इन्फ्लुएंसर की पहचान की है। हिंसा के मामले में 6 और गिरफ्तारियों के साथ कुल 11 लोग पकड़े गए हैं, जिनमें एक नाबालिग भी शामिल है। दरअसल पूरा मामला फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास अतिक्रमण हटाने से जुड़ा है। पुलिस की टीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक अतिक्रमण हटाने गई थी। इस बीच कुछ लोगों ने अफवाह फैलाई कि मस्जिद गिराई जाएगी। जिससे हिंसा भड़की। पुलिसकर्मियों पर पत्थर फेंके गए, 5 पुलिसकर्मी घायल हो गए। सपा नेता एस टी हसन ने कहा कि यहां 100 साल पुरानी मस्जिद और दुकानें हैं। जब अतिक्रमण के नाम पर जुल्म किया जाएगा तो लोग कब तक विरोध नहीं करेंगे? अगर यही कार्रवाई हर जगह की जाए, तो लोग सब्र करेंगे।अगर कोई अवैध अतिक्रमण

हुआ है, तो उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए जिनकी मौजूदगी में यह सब हुआ। AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को कहा कि दिल्ली की एक मस्जिद की वक्फ की जमीन के एक हिस्से को गिरा दिया गया। इस अपराध के लिए पूरी तरह से काला वक्फ (संशोधन) कानून जिम्मेदार है। 6 जनवरी की रात सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में दावा किया गया कि अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान मस्जिद को गिराया जा रहा है। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक पोस्ट खालिद मलिक नाम के व्यक्ति की थी। वीडियो में उसने लोगों से बड़ी संख्या में अपने घरों से बाहर निकलने की अपील की थी। इसके तुरंत बाद कई लोग वहां जमा हो गए और कुछ ने पुलिस और MCD कर्मचारियों पर पत्थर और कांच की बोतलें फेंकीं। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (BNS) और दूसरे कानूनों के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस ने मंगलवार रात प्रदर्शन कर रहे लोगों को हटाने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े। फैज-ए-इलाही मस्जिद की प्रबंधन समिति ने दिल्ली एमसीडी के 22 दिसंबर 2025 के आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। इसमें कहा गया कि मस्जिद के बाहर की 0.195 एकड़ जमीन पर बने ढांचे अवैध हैं। उन्हें हटाया जाएगा। एमसीडी का कहना है कि अतिरिक्त जमीन पर मालिकाना या वैध कब्जे के दस्तावेज पेश नहीं किए गए हैं। एमसीडी का यह आदेश 12 नवंबर 2025 को हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच के निदेर्शों के आधार पर जारी किया गया था। डिवीजन बेंच के आदेश में तुर्कमान गेट के पास रामलीला ग्राउंड से करीब 38,940 वर्ग फुट अतिक्रमण हटाने को कहा गया था, जिसमें सड़क, फुटपाथ, बारात घर, पार्किंग और एक निजी क्लिनिक शामिल हैं। मस्जिद समिति का कहना है कि यह जमीन वक्फ संपत्ति है। वह इसके लिए वक्फ बोर्ड को लीज किराया देती है।

जनगणना 2027-पहला फेज 1 अप्रैल से सितंबर के बीच होगा

घरों की लिस्टिंग और डेटा जुटाएंगे, ये काम 30 दिन में पूरा होगा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय (MHA) ने बताया कि देश में होने वाली जनगणना 2027 का पहला फेज 1 अप्रैल से 30 सितंबर के बीच किया जाएगा। इसकी शुरूआत घरों की लिस्टिंग और घरों का डेटा इकट्ठा करने से होगी। हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपने यहां 30 दिनों में यह काम पूरा करेंगे। MHA ने बुधवार को नोटिफिकेशन जारी कर बताया कि 1 अप्रैल से देशभर में सभी मकानों और परिवारों की लिस्ट बनाई जाएगी। साथ ही परिवारों की अन्य जानकारी भी

इकट्ठी की जाएगी, ताकि जनसंख्या गिनने की मजबूत तैयारी हो सके। सरकार ने यह भी कहा कि घरों की लिस्टिंग शुरू होने से 15 दिन पहले लोगों को खुद से जानकारी भरने (सेल्फ एन्यूमरेशन) का विकल्प भी दिया जाएगा। दरअसल जनगणना 2021 में होनी थी, लेकिन कोरोना महामारी की वजह से इसे टाल दिया गया था, जो अब 2027 में पूरी होगी। सरकार ने बताया कि इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी। करीब 30 लाख कर्मचारी मोबाइल एप के जरिए जानकारी जुटाएंगे। मोबाइल एप, पोर्टल और रियल टाइम डेटा ट्रांसफर से जनगणना बहुत हद तक पेपरलेस होगी। ये ऐप Android और iOS दोनों पर काम करेंगे। जाति से जुड़ा डेटा भी डिजिटल तरीके से इकट्ठा किया जाएगा। आजादी के बाद पहली बार जनगणना में जाति की गिनती शामिल होगी। इससे पहले अंग्रेजों के समय 1931 तक जाति आधारित जनगणना हुई थी। यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ने अप्रैल में लिया था। 2011 की पिछली जनगणना के अनुसार, भारत की आबादी करीब 121 करोड़ थी, जिसमें लगभग 51.5% पुरुष और 48.5% महिलाएं थीं। 1. आपदा में सटीक राहत- जियो टैगिंग से बना डिजिटल लेआउट मैप बादल फटने, बाढ़ या भूकंप जैसी आपदा के समय उपयोगी साबित होगा। सुदूर हिमालयी क्षेत्र में बसे किसी गांव में बादल फटने जैसी घटना के समय इस मैप से तुरंत पता चल जाएगा कि किस घर में कितने लोग रहते हैं। होटलों में क्षमता के हिसाब से कितने लोग रहे होंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मातृभूमि से दूर बसे अपनों से भारत का सजीव संवाद

प्रवासी भारतीय दिवस का मूल उद्देश्य भारत और विदेशों में बसे भारतीय मूल के लोगों के बीच सेतु बनाना है। यह एक ऐसा मंच है जहाँ भावनात्मक जुड़ाव के साथ-साथ विचारों का आदान-प्रदान होता है। प्रवासी भारतीय अपने अनुभव साझा करते हैं, भारत की विकास यात्रा में सहभागी बनने के नए रास्ते तलाशते हैं और भारत सरकार भी उनकी अपेक्षाओं, समस्याओं तथा सुझावों को प्रत्यक्ष रूप से सुनती है। यह आयोजन यह स्पष्ट करता है कि भारत अपने नागरिकों और भारतीय मूल के लोगों को केवल पासपोर्ट या निवास की परिभाषा में नहीं बाँधता, बल्कि उन्हें अपनी व्यापक राष्ट्रीय चेतना का हिस्सा मानता है।

(लेखक - कांतिलाल मांडोत)

(प्रवासी भारतीय दिवस)

भारत केवल एक भूगोल नहीं, बल्कि भावनाओं, संस्कारों और साझा स्मृतियों की निरंतर धारा है। यह धारा देश की सीमाओं तक सीमित नहीं रही, बल्कि समय के साथ समुद्रों, महाद्वीपों और संस्कृतियों को पार करती हुई विश्व के कोने-कोने तक पहुँची। इसी वैश्विक विस्तार का मानवीय रूप है प्रवासी भारतीय समुदाय। इन्हीं प्रवासी भारतीयों के योगदान, संघर्ष, उपलब्धियों और भारत से उनके अटूट रिश्ते को सम्मान देने के लिए हर वर्ष नौ जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस मनाया जाता है। वर्ष दो हजार पंद्रह के बाद से यह आयोजन हर दो वर्ष में एक बार बड़े सम्मेलन के रूप में आयोजित किया जाने लगा है, लेकिन दिवस के रूप में इसका प्रतीकात्मक महत्व निरंतर बना हुआ है।

नौ जनवरी की तिथि का अपना ऐतिहासिक और भावनात्मक महत्व है। इसी दिन वर्ष उन्नीस सौ पंद्रह में महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटे थे। विदेश की धरती पर रहते हुए उन्होंने सत्य और अहिंसा के प्रयोग किए, रंगभेद के विरुद्ध संघर्ष किया और वहीं से एक ऐसे नेतृत्व का निर्माण हुआ, जिसने आगे चलकर भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। गांधीजी का यह लौटना केवल एक व्यक्ति की वापसी नहीं थी, बल्कि यह संदेश था कि विदेश में अर्जित अनुभव, ज्ञान और संघर्ष की ऊर्जा मातृभूमि के उत्थान में कितनी निर्णायक भूमिका निभा सकती है। प्रवासी भारतीय दिवस इसी विचार का आधुनिक विस्तार है।

प्रवासी भारतीय दिवस का मूल उद्देश्य भारत और विदेशों में बसे भारतीय मूल के लोगों के बीच सेतु बनाना है। यह एक ऐसा मंच है जहाँ भावनात्मक जुड़ाव के साथ-साथ विचारों का आदान-प्रदान होता है। प्रवासी भारतीय अपने अनुभव साझा करते हैं, भारत की विकास यात्रा में सहभागी बनने के नए रास्ते तलाशते हैं और भारत सरकार भी उनकी अपेक्षाओं, समस्याओं तथा सुझावों को प्रत्यक्ष रूप से सुनती है। यह आयोजन यह स्पष्ट करता है कि भारत अपने नागरिकों और भारतीय मूल के लोगों को केवल पासपोर्ट या निवास की परिभाषा में नहीं बाँधता, बल्कि उन्हें अपनी व्यापक राष्ट्रीय चेतना का हिस्सा मानता है।

वर्ष दो हजार तीन में इस सम्मेलन की औपचारिक शुरुआत हुई थी। उस समय यह महसूस किया गया कि विश्व भर में फैले भारतीय समुदाय ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, शिक्षा, उद्योग, व्यापार, कला और संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। इन उपलब्धियों का लाभ केवल संबंधित देशों तक सीमित न रहे, बल्कि भारत की प्रगति में भी उनका समुचित योगदान सुनिश्चित हो। तभी से प्रवासी भारतीय दिवस एक संवाद, सम्मान और सहभागिता का उत्सव बन गया।

हाल के वर्षों में इस आयोजन का स्वरूप और अधिक व्यापक हुआ है। दो हजार पच्चीस में आयोजित अठारहवें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में 'विकसित भारत में प्रवासी भारतीयों का योगदान' विषय विशेष रूप से प्रासंगिक रहा। यह विषय इस बात को रेखांकित करता है कि आने वाले वर्षों में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की परिकल्पना में प्रवासी भारतीयों की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है। निवेश, नवाचार, कौशल, वैश्विक संपर्क और सांस्कृतिक कूटनीति के माध्यम से प्रवासी भारतीय भारत के विकास लक्ष्य को गति दे सकते हैं।

इस सम्मेलन के दौरान विशेष पर्यटक रेल सेवा का शुभारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य प्रवासी भारतीयों को भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत से प्रत्यक्ष रूप से जोड़ना है। इसके साथ ही ऐतिहासिक दस्तावेजों और प्रदर्शनों के माध्यम से उन भारतीयों की यात्रा को भी सामने लाया गया, जो कभी गुजरात के तटों से निकलकर ओमान, अफ्रीका और अन्य देशों में बसे। यह इतिहास केवल पलायन की कहानी नहीं है, बल्कि साहस, परिश्रम और अनुकूलन की प्रेरक गाथा है।

प्रवासी भारतीय दिवस के विमर्श में गिरमिटिया मजदूरों का स्मरण विशेष महत्व रखता है। औपनिवेशिक काल में हजारों भारतीयों को अनुबंधित मजदूर के रूप में फिजी, मॉरीशस, त्रिनिदाद और टोबैगो जैसे देशों में ले जाया गया। कठिन परिस्थितियों, शोषण और अपमान के बावजूद उन्होंने अपनी भाषा, संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखा। आज उन्हीं के वंशज उन देशों के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनका स्मरण हमें यह सिखाता है कि भारतीय पहचान कितनी दृढ़ और जीवंत है।

प्रवासी भारतीय दिवस का एक महत्वपूर्ण पक्ष है प्रवासी भारतीय सम्मान। यह सम्मान उन व्यक्तियों और संस्थाओं को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने विदेशों में रहते हुए भारत की छवि को सशक्त किया, स्थानीय भारतीय समुदाय के कल्याण के लिए कार्य किया और भारत तथा अपने निवास देश के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को मजबूत बनाया। यह सम्मान केवल व्यक्तिगत उपलब्धि का नहीं, बल्कि सामूहिक गौरव का प्रतीक है।

इस आयोजन की उपयोगिता अनेक स्तरों पर दिखाई देती है। आर्थिक दृष्टि से देखें तो प्रवासी भारतीय निवेश, प्रेषण और व्यापार के माध्यम से भारत की अर्थव्यवस्था को सशक्त करते हैं। विदेशों से आने वाला धन केवल परिवारों की आजीविका ही नहीं सुधारता, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्यमिता को भी बढ़ावा देता है। बौद्धिक स्तर पर प्रवासी भारतीय अपने ज्ञान, अनुसंधान और नवाचार के अनुभव भारत के साथ साझा करते हैं, जिससे देश में नई सोच और तकनीक का प्रवेश होता है।

सांस्कृतिक दृष्टि से प्रवासी भारतीय दिवस भारत की नरम शक्ति को मजबूत करता है। योग, आयुर्वेद, भारतीय संगीत, नृत्य और त्योहारों के माध्यम से भारतीय संस्कृति विश्व में सम्मान प्राप्त कर रही है। प्रवासी भारतीय इस सांस्कृतिक दूत की भूमिका निभाते हैं। राजनीतिक और कूटनीतिक स्तर पर भी प्रवासी समुदाय विभिन्न देशों में भारत के पक्ष को समझाने और समर्थन जुटाने में सहायक सिद्ध होता है।

युवा प्रवासी भारतीय दिवस इस आयोजन का एक विशेष और दूरदर्शी आयाम है। युवा पीढ़ी, जो विदेशों में जन्मी या पली-बढ़ी है, उसके लिए भारत कभी-कभी केवल एक पारिवारिक स्मृति बनकर रह जाता है। यह विशेष कार्यक्रम उन्हें अपनी जड़ों से जोड़ता है, भारत की समकालीन वास्तविकताओं से परिचित कराता है और उन्हें यह एहसास दिलाता है कि भारत केवल अतीत की विरासत नहीं, बल्कि भविष्य की संभावनाओं से भरा देश है।

प्रवासी भारतीय दिवस मनाने का महत्व केवल उत्सव तक सीमित नहीं है। यह आत्ममंथन का अवसर भी है। यह भारत को यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि वह अपने प्रवासी समुदाय की अपेक्षाओं पर कितना खरा उतर पा रहा है। साथ ही यह प्रवासी भारतीयों को भी यह याद दिलाता है कि उनकी पहचान, जिम्मेदारी और योगदान केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित नहीं, बल्कि एक व्यापक राष्ट्रीय संदर्भ से जुड़ा हुआ है।

आज के वैश्वीकृत युग में जब पहचानें तेजी से बदल रही हैं, प्रवासी भारतीय दिवस स्थायित्व का प्रतीक बनकर उभरता है। यह बताता है कि दूरी भौगोलिक हो सकती है, भावनात्मक नहीं। भारत और प्रवासी भारतीयों का रिश्ता समय, राजनीति और परिस्थितियों से परे है। यह रिश्ता साझा मूल्यों, स्मृतियों और भविष्य के सपनों से बना है।

अंततः प्रवासी भारतीय दिवस भारत के उस आत्मविश्वास का उत्सव है, जो अपने बेटों और बेटियों को दुनिया में आगे बढ़ते देखकर गर्व करता है और उन्हें फिर से अपनी विकास यात्रा में सहभागी बनने के लिए आमंत्रित करता है। यह दिवस यह संदेश देता है कि भारत की प्रगति की कहानी अधूरी है, जब तक उसमें प्रवासी भारतीयों की सहभागिता, अनुभव और ऊर्जा शामिल न हो। यही कारण है कि प्रवासी भारतीय दिवस केवल एक तारीख नहीं, बल्कि भारत की वैश्विक आत्मा का उत्सव है।

(वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार, स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

एक बेतुका आदेश

हाल के दिनों में देश की शीर्ष अदालत से लेकर आम विमर्श तक में आवारा कुत्तों का मामला सुर्खियों में रहा है। इस संवेदनशील, जटिल व विवादास्पद मुद्दे से जुड़े कई तरह के अंतर्विरोध सामने आ रहे हैं। लेकिन इस कड़ी में बिहार के एक नगर निगम के बेतुके फरमान को लेकर आलोचना की जा रही है। यह निर्णय न केवल बेतुका है बल्कि हास्यास्पद भी है। बिहार के सासाराम के नगर निगम ने शिक्षकों से सड़कों में घूमने वाले आवारा कुत्तों की गिनती करने को कहा है। दरअसल, अदालत के निर्देशों के अनुरूप स्थानीय निकायों की इस बाबत जवाबदेही तय की गई है। सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता पर उठ रहे सवालों व गिरते परीक्षा परिणाम के बावजूद शिक्षकों को गैर-शिक्षण कार्यों में लगाना दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। वहीं दूसरी ओर हर छोटे-बड़े सरकारी अभियान में शिक्षकों की जिम्मेदारी लगाना प्रशासनिक विफलता को भी उजागर करता है। कभी जनगणना, कभी चुनावी ड्यूटी तो कभी आपदा सर्वेक्षण, और अब कुत्तों की गिनती का बेतुका काम शिक्षकों के जिम्मे लगा दिया गया है। दरअसल, बिहार के शिक्षक विषम परिस्थितियों के चलते पहले ही अत्यधिक दबाव में हैं। जिसके कारण वे शैक्षणिक जिम्मेदारियों व गैर-शिक्षण दायित्वों के लगातार बढ़ते बोझ के बीच संतुलन बनाने के लिये संघर्ष कर रहे हैं। इसमें दो राय नहीं है कि हर इस तरह का व्यवधान कक्षा के समय, पाठ योजना और छात्रों की सहभागिता को गहरे तक प्रभावित करता है। निश्चित रूप से प्राथमिक शिक्षा बच्चे के विकास की नींव रखती है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि बिहार के स्कूलों का परीक्षा परिणाम बेहद निराशाजनक रहता है। वर्षों से पेश की जा रही एएसईआर रिपोर्टों में कई बार उजागर किया गया है कि बिहार के स्कूलों का परीक्षा परिणाम देश में सबसे कमजोर रहा है। जो कि एक चिंता का विषय बना हुआ है। ऐसे में जब पहले ही बिहार के स्कूलों का परीक्षा परिणाम निराशाजनक रहता है तो शिक्षकों को एक और गैर-शैक्षणिक कार्य के लिये कक्षाओं से बाहर निकालना, निस्संदेह शिक्षा व्यवस्था के लिए आत्मघाती कदम ही कहा जाएगा। इससे भी बुरी बात यह है कि यह आदेश कई वास्तविक खतरों से भरा है। आवारा कुत्तों की गिनती करना शिक्षण के कागजी कार्य के समान सहज नहीं है। निश्चित रूप से अनेक शिक्षक ऐसे होंगे जो कुत्तों से डरते भी होंगे। खासकर शिक्षिकाओं के लिये यह कार्य खासा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। कुछ लोग इस गणना प्रक्रिया में वास्तविक खतरे का सामना भी कर सकते हैं। इस बात का संकेत शीर्ष अदालत की टिप्पणी में भी मिलता है। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया था कि किसी कुत्ते के मन को पढ़ना या यह अनुमान लगाना असंभव है कि कोई जानवर कब आक्रामक हो जाएगा। निश्चित रूप से अप्रशिक्षित शिक्षकों को ऐसे कार्य करने के लिए कहना, उनकी सुरक्षा के लिये भी चुनौती होगी। खासकर तब जब आवारा कुत्तों के काटने की घटनाएं और रेबीज से होने वाली जीवन क्षति सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिये चिंता का विषय बनी हुई हैं। ऐसे में नगर निगम के आदेश की तार्किकता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय ने पशु जन्म नियंत्रण और जन सुरक्षा उपायों को लागू करने में नगरपालिकाओं की विफलता पर सवाल उठाए थे। जिसके बाद एक स्थानीय निकाय ने अपनी मूल जिम्मेदारी शिक्षकों पर थोपकर इसका जवाब दिया है। निश्चित रूप से यह अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने जैसा है। निर्विवाद रूप से इस बेतुके आदेश को तत्काल प्रभाव से रद्द करने की जरूरत है।

डिजिटल राजस्थान का उदय और स्टार्टअप से आगे वैश्विक टेक हब बनने की उड़ान

(लेखक - कांतिलाल मांडोत)

जयपुर के जेईसीसी में शुरू हुआ राजस्थान डिजीफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026 केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि उस बदलते राजस्थान का घोषणापत्र है, जो अब अपनी पहचान रेगिस्तान, किलों और पर्यटन से आगे बढ़ाकर तकनीक, नवाचार और वैश्विक उद्यमिता के केंद्र के रूप में स्थापित कर रहा है। जिस राज्य को कभी आईटी और स्टार्टअप की दौड़ में पीछे माना जाता था, वही राजस्थान आज यह आत्मविश्वास के साथ कहने की स्थिति में है कि दुनिया के कई देशों जितनी अपॉरच्युनिटी अकेले यहां मौजूद है। आईटी मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ के शब्द केवल उत्साहवर्धक वक्तव्य नहीं, बल्कि जमीनी हकीकत का प्रतिबिंब हैं।

तीन दिन तक चलने वाले इस समिट में 1,200 से अधिक वैश्विक कंपनियों के फाउंडर, सीईओ और निवेशकों की मौजूदगी इस बात का संकेत है कि राजस्थान अब निवेशकों की नजर में एक गंभीर और भरोसेमंद डेस्टिनेशन बन चुका है। 20 से अधिक यूनिकॉर्न और सूनिकॉर्न स्टार्टअप्स के संस्थापकों का एक मंच पर आना इस इकोसिस्टम की परिपक्वता को दर्शाता है। यहां हुए एमओयू केवल कागजी समझौते नहीं हैं, बल्कि आने वाले वर्षों में रोजगार, तकनीकी विकास और आर्थिक विस्तार की नींव हैं।

राजस्थान का स्टार्टअप सफर अब शुरुआती प्रयोगों से निकलकर स्थिर विकास के दौर में प्रवेश कर चुका है। आईटी सचिव डॉ. रवि कुमार सुरपुर द्वारा साझा किए गए आंकड़े इस बदलाव की कहानी खुद बयां करते हैं। 7,300 से अधिक स्टार्टअप्स को सुविधा, 1,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश और 42,000 से ज्यादा नौकरियां केवल संख्याएं नहीं हैं, बल्कि यह उस विश्वास का प्रमाण हैं जो उद्यमियों और निवेशकों ने राज्य पर जताया है। यह सफलता रातोंरात नहीं मिली, बल्कि इसके पीछे निरंतर नीति समर्थन, मजबूत ई-गवर्नेंस, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रशासनिक इच्छाशक्ति की अहम भूमिका रही है। हालांकि, इस समिट का सबसे महत्वपूर्ण संदेश स्टार्टअप से आगे की संभावनाओं पर केंद्रित है। राजस्थान अब केवल स्टार्टअप लॉन्च करने का प्लेटफॉर्म नहीं रहना चाहता, बल्कि वह एक संपूर्ण टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम बनने की दिशा में अग्रसर है। एग्रीटेक, मेडिटेक, प्रॉपटेक और फिनटेक जैसे क्षेत्रों में तकनीक आधारित समाधान राज्य की वास्तविक जरूरतों से जुड़े हुए हैं। यहां की कृषि, स्वास्थ्य सेवाएं, रियल एस्टेट और वित्तीय समावेशन की चुनौतियां नवाचार के लिए स्वाभाविक प्रयोगशाला प्रदान करती हैं। यही वजह है कि राजस्थान में विकसित होने वाले समाधान न केवल स्थानीय समस्याओं का समाधान करते हैं, बल्कि वैश्विक बाजार के लिए भी प्रासंगिक बन जाते हैं। राजस्थान की सबसे बड़ी ताकत उसका भौगोलिक और सामाजिक संतुलन है। एक ओर जयपुर, उदयपुर, जोधपुर जैसे शहर तेजी से आईटी और स्टार्टअप हब के रूप में उभर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर छोटे शहर और ग्रामीण क्षेत्र भी डिजिटल क्रांति से जुड़ रहे हैं। यह समावेशी विकास मॉडल राजस्थान को अन्य राज्यों से अलग पहचान देता है। यहां तकनीक केवल शहरी अभिजात वर्ग तक सीमित नहीं है, बल्कि वह गांव, किसान, महिला उद्यमी और युवा तक पहुंच रही है। आईटी हब बनने की प्रक्रिया में इंफ्रास्ट्रक्चर की भूमिका निर्णायक होती है। राजस्थान ने इस मोर्चे पर बीते वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। डेटा सेंटर्स, आईटी पार्क्स, स्टार्टअप इनक्यूबेशन सेंटर्स और को-वर्किंग स्पेस तेजी से विकसित हुए हैं। मजबूत इंटरनेट कनेक्टिविटी और साइबर सुरक्षा ढांचे ने डिजिटल कारोबार के लिए सुरक्षित वातावरण बनाया है। ई-गवर्नेंस प्लेटफॉर्म्स ने न केवल प्रशासन को पारदर्शी और प्रभावी बनाया है, बल्कि स्टार्टअप्स के लिए प्रक्रियाओं को सरल भी किया है।

समिट में एनवीडिया के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट शंकर त्रिवेदी द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर दिया गया वक्तव्य राजस्थान के भविष्य की दिशा को रेखांकित करता है। एआई केवल एक तकनीकी ट्रेंड नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कृषि और शासन व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाला माध्यम है। राजस्थान जैसे राज्य के लिए एआई का सही उपयोग सामाजिक और आर्थिक विकास को नई गति दे सकता है। यहां विकसित होने वाले एआई समाधान भारत के लिए पहले और फिर दुनिया के लिए मॉडल बन सकते हैं।

राजस्थान की युवा शक्ति इस परिवर्तन की धुरी है। मेहनती, प्रतिभाशाली और तेजी से सीखने वाली यह पीढ़ी अब नौकरी खोजने वाली नहीं, बल्कि नौकरी देने वाली बन रही है। स्टार्टअप संस्कृति ने युवाओं को जोखिम लेने, नवाचार करने और वैश्विक स्तर पर सोचने का आत्मविश्वास दिया है। राज्य सरकार की नीतियों ने इस ऊर्जा को सही दिशा देने का काम किया है। मेंटरिंग, फंडिंग और नेटवर्किंग के अवसरों ने स्टार्टअप्स को शुरुआती असफलताओं से उबरने और टिकाऊ मॉडल विकसित करने में मदद की है।

स्टार्टअप से आगे की यात्रा में मैन्युफैक्चरिंग और डीप-टेक की भूमिका भी अहम होने वाली है। राजस्थान के पास भूमि, संसाधन और लॉजिस्टिक्स का ऐसा संयोजन है, जो हार्डवेयर स्टार्टअप्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर सपोर्ट सिस्टम और ग्रीन टेक्नोलॉजी के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है। यदि सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर का यह संगम सही दिशा में आगे बढ़ता है, तो राजस्थान केवल आईटी हब ही नहीं, बल्कि इनोवेशन मैन्युफैक्चरिंग का केंद्र भी बन सकता है।

राजस्थान का पर्यटन और विरासत भी तकनीक के साथ नए रूप में सामने आ सकती है। हेरिटेज टेक, डिजिटल टूरिज्म, वर्चुअल रियलिटी और स्मार्ट सिटी सॉल्यूशंस के जरिए राज्य अपनी सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करते हुए आर्थिक लाभ भी प्राप्त कर सकता है। यह वह क्षेत्र है, जहां टेक्नोलॉजी और परंपरा का अनूठा मेल राजस्थान को वैश्विक मानचित्र पर अलग स्थान दिला सकता है।

इस समिट का एक महत्वपूर्ण पहलू वैश्विक कनेक्टिविटी है। टाई जैसे अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के माध्यम से राजस्थान के स्टार्टअप्स को दुनिया भर के निवेशकों, मेंटर्स और बाजारों तक पहुंच मिल रही है।

यह संपर्क केवल पूंजी तक सीमित नहीं, बल्कि ज्ञान, अनुभव और वैश्विक दृष्टिकोण के आदान-प्रदान का माध्यम है। जब स्थानीय उद्यमी वैश्विक मानकों पर खरे उतरने लगते हैं, तभी किसी राज्य का इकोसिस्टम वास्तव में परिपक्व कहलाता है।

प्रेम और दया से ही प्रसन्न होंगे ईश्वर

चिंतन मनन

प्रेम और दया से ही प्रसन्न होंगे ईश्वर

ईश्वर को खुश करने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय करते हैं। मंत्र साधक लाखों बार मंत्र जप करते हैं, भक्ति मार्ग पर चलने वाले लोग मंदिर जाकर ईश्वर की पूजा करते हैं। धूप-दीप आरती से भगवान को प्रसन्न करने की भी कोशिश करते हैं। इतना करने के बाद भी यह पता नहीं होता कि ईश्वर हमें प्यार करता है या नहीं। प्रेम में सफलता तभी मिलती है जब हमें जिसे प्यार करते हैं वह हमें प्यार करे। इसलिए हमेशा ऐसा काम करें जिससे ईश्वर आपको प्यार करे। यह काम पूजा-पाठ और मंत्र जप से भी आसान है। सभी धर्म एक बात पर सहमत है कि प्रेम और दया यह दो ऐसे साधन है जिसकी बदलौत हम ईश्वर को मजबूर कर सकते हैं कि वह हमें प्यार करे। प्रेम और दया ऐसी चीज है जिसके लिए न तो धन की जरूरत पड़ती है और न ही किसी दूसरे साधनों की। यह अपने आप में पूर्ण और पवित्र है।

हम किसी के प्रति प्रेमपूर्ण व्यवहार करते हैं तो बदले में हमें भी प्रेम मिलता है। इसका कारण यह है कि जिसके प्रति हम प्रेम दर्शाते हैं उसके हृदय में मौजूद आत्मा जो ईश्वर का स्वरूप होता है वह प्रसन्न होता है और बदले में हमें अपने प्रेम की अनुभूति कराता है। गीता, कुरान अथवा बाइबल सभी में दया को ईश्वर को पाने का माध्यम बताया गया है। ईश्वर को फूल, फल अथवा मंत्र से ध्यान करने का उद्देश्य भी यही है कि हमारा मन निर्मल हो और मन में दया की भावना बढ़े। जिसने दया करना सीख लिया वह ईश्वर का पुत्र हो जाता है। ईसा मसीह, भगवान राम, कृष्ण, बुद्ध, महावीर, साईं सभी ने अपने जीवन में दया का अनुपम परिचय दिया। अपने इसी गुण के कारण ईश्वर ने इन्हें प्यार किया और ईश्वरीय शक्ति इनमें समाहित हो गयी।

विचार मंथन

वेनेजुएला पर ट्रंप की सख्ती- नया वैश्विक टकराव

(लेखक- सनत जैन)

वेनेजुएला को लेकर डोनाल्ड ट्रंप की हालिया आक्रामक कार्रवाई ने एक बार फिर वैश्विक राजनीति एवं सामरिक तनाव को तेज कर दिया है। प्रतिबंधों को सख्ती से लागू करना, समुद्री मार्गों पर निगरानी बढ़ाना और कथित तौर पर रूस से जुड़े जहाज की जप्ती जैसे कदम केवल वेनेजुएला तक सीमित नहीं हैं। इनके दूरगामी अंतरराष्ट्रीय प्रभाव जल्द ही देखने को मिल सकते हैं। यह घटनाक्रम स्पष्ट संकेत देता है, अमेरिका, लैटिन अमेरिका क्षेत्र में अपने वर्चस्व को आर्थिक एवं सामरिक दृष्टिकोण अपनाते हुए ट्रम्प कब्जा करना चाहते हैं। भले ही इसके लिए रूस और चीन के साथ सीधा टकराव लेने की ट्रंप की सोच है। अमेरिका और वैश्विक स्तर पर आर्थिक मंदी और अर्थव्यवस्था पर जो संकट देखने को मिल रहे हैं उसके बाद यह कहने में कोई संकोच नहीं हो रहा है, आने वाले दिनों में अमेरिका अपनी डॉलर मुद्रा तथा वैश्विक व्यापार के वर्चस्वको बनाए रखना चाहता है। उसके लिए ट्रंप अंतिम लड़ाई लड़ रहे हैं। ट्रम्प ने टेरिफ के बहाने जो नया खेल खेला था। उसमें वह असफल हो गए है। अमेरिका में मंहगाई और आर्थिक स्थिति पर इसके दुष्परिणाम दिखने लगे है। इससे बचने के लिये अब ट्रम्प ने वेनेजुएला का मुद्दा खड़ा करके अमेरिका में अपनी स्थिति को मजबूत करना चाहते है? वेनेजुएला लंबे समय से रूस और चीन का रणनीतिक साझेदार है। रूस ने वहां ऊर्जा, हथियार और सैन्य सहयोग किया है। जबकि चीन ने कर्ज, बुनियादी ढांचा और तेल समझौतों के जरिए अपनी गहरी पैठ बनाई है। रूस और चीन के हथियार भी वेनेजुएला में है। ऐसे में किसी रूसी जहाज की जप्ति केवल एक कानूनी या तकनीकी कार्रवाई के रूप में नहीं देखी जा सकती है। इस कार्रवाई को रूस के प्रभाव को खुली चुनौती के रूप में ही देखा जाएगा। मॉस्को ट्रंप की इस कार्रवाई को अपनी संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय व्यापार स्वतंत्रता पर हमला बताकर कूटनीतिक विरोध, जवाबी प्रतिबंध या समुद्री सुरक्षा को बढ़ाने जैसे कदम उठा सकता है। हालांकि रूस सीधे सैन्य टकराव से बचता हुआ दिख रहा है। समय आने पर इसकी प्रतिक्रिया बड़े रूप में हो सकती है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। दुनिया के देशों में अमेरिका, विरोधी मंचों पर इस मुद्दे का जोर-शोर से उठना तय है। चीन का रुख अपेक्षाकृत संतुलित होते हुए भी व्यापारिक दृष्टिकोण से दीर्घकालिक होगा। बीजिंग आमतौर पर प्रत्यक्ष टकराव से बचते हुए अंतरराष्ट्रीय कानून, बहुपक्षवाद और संप्रभुता के सिद्धांतों की बात करते हुये इस समस्या के समाधान की कोशिश करेगा, ऐसी संभावना देखने को मिलती है। अमेरिका की कार्रवाई को चीन एकतरफा दबाव नीति करार देकर वैश्विक मंच पर अमेरिका को अलग-थलग करने की कोशिश करेगा। संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न मंचों तथा वैश्विक व्यापार संधिकरण की नीति को लेकर अपना विरोध दर्ज करा सकता है। इसके साथ चीन वेनेजुएला में अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिए वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों, गुप्त या अप्रत्यक्ष रूप से वेनेजुएला की मदद रूस के साथ तालमेल कर ट्रंप की दादागिरी को चुनौती देने का काम कर सकता है। इस पूरे घटनाक्रम का वैश्विक प्रभाव तेल बाजारों,समुद्री व्यापार, वैश्विक व्यापार और विकासशील देशों की आर्थिक एवं विदेश नीति पर पड़ना तय है। वह देश जो अमेरिकी प्रतिबंधों से असहमत हैं। वह चीन-रूस खेमे की नीतियों की ओर झुक सकते हैं। अमेरिका समर्थक देश भी ट्रंप की इस तरह की कार्यवाही के खुले समर्थक नहीं है। इसका असर नाटो देश और यूरोपियन संगठन में भी देखने को मिल रहा है। वह ट्रंप की इन नीतियों का कितना समर्थन करेंगे, वर्तमान में कहना मुश्किल है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जिस तरह की नीतियां आ रही हैं। उसके बाद दुनिया एक बार फिर आर्थिक एवं सामरिक ध्रुवीकरण की ओर बढ़ती हुई दिख रही है। विकासशील देश एवं वेनेजुएला जैसे देश महाशक्तियों की रस्साकशी का मैदान बन रहे हैं। यह स्थिति वैश्विक शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा बनकर सारी दुनिया के सामने है। अमेरिका की इस कार्रवाई से वैश्विक व्यापार संधि के बाद जो आर्थिक परिवर्तन सारी दुनिया के देशों में देखने को मिला था। निश्चित रूप से वह तेजी के साथ सिमटने लगेगा।

जिसका दुष्प्रभाव आर्थिक मंदी के रूप में जल्द ही सामने आ सकता है। इसको लेकर तरह-तरह की वैश्विक चिंताएं सामने आने लगी हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एसबीआई फोकस्ड फंड, लंबी अवधि का निवेश बनाता है करोड़पति

नई दिल्ली । म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले कई लोग जल्दी रिटर्न की उम्मीद करते हैं, लेकिन असली फायदा लंबे समय तक निवेश बनाए रखने से मिलता है। एसबीआई फोकस्ड फंड इसका बेहतरीन उदाहरण है। यह फंड लगातार बेहतर प्रदर्शन करता आया है और निवेशकों को समय के साथ मजबूत कॉर्पस बनाने में मदद करता है। अगर किसी निवेशक ने 20 साल पहले हर महीने 10,000 रुपए की एसआईपी शुरू की होती, तो आज उसका निवेश लगभग 1.54 करोड़ रुपए बन चुका होता। यह साबित करता है कि नियमित निवेश और कंपाउंडिंग समय के साथ कितना प्रभावशाली हो सकता है। बीते 3, 5, 10 और 20 वर्षों में फंड ने एसआईपी निवेशकों को औसतन 16 फीसदी से अधिक का सालाना रिटर्न दिया। 3 साल की एसआईपी पर 18.56, 5 साल पर 16.04 और 10 साल पर 16.09 फीसदी सीएजीआर मिला। फंड का लंपसम निवेश में भी मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड है, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि आम निवेशकों के लिए एसआईपी ज्यादा सुरक्षित और बेहतर तरीका है, क्योंकि यह बाजार की उतार-चढ़ाव के असर को कम करता है।

भारत फंसे कर्ज घटाने में दुनिया में सबसे आगे

नई दिल्ली ।

जुलाई-सितंबर 2025 की तिमाही में भारतीय बैंकों का फंसा कर्ज (एनपीए) घटकर 2-4 फीसदी पर आ गया है। 2015 में यह 5.9 फीसदी था। पिछले एक दशक में 3.5 प्रतिशत अंकों की गिरावट दर्ज की गई है, जो वैश्विक स्तर पर किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था की तुलना में तेज है। बैंकों ने कर्ज वसूली और एनपीए प्रबंधन के लिए कड़े उपाय अपनाए हैं। साथ ही आरबीआई की निगरानी, वित्तीय संस्थानों की सुधार प्रक्रिया और स्वच्छ कर्ज नीति ने भी योगदान दिया। एनपीए में गिरावट न केवल बैंकिंग क्षेत्र की वित्तीय सेहत सुधारती है, बल्कि यह पूरी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत भी है। विशेषज्ञ इसे बैंकिंग सुधार का सबसे बड़ा उदाहरण मान रहे हैं।

आरबीआई का बैंक पर्यवेक्षण सूचकांक बढ़ा

मुंबई ।

भारतीय` रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सितंबर तिमाही में अपने बैंक पर्यवेक्षण आंकड़ा गुणवत्ता सूचकांक (एसडीक्यूआई) को 90.7 बताया, जो अप्रैल-जून तिमाही के 89.9 की तुलना में बढ़ा है। यह संकेत है कि बैंकों ने वित्तीय आंकड़े अधिक सटीक, समय पर और पूर्णता के साथ जमा किए। एसडीक्यूआई का उद्देश्य यह जांचना है कि बैंक आरबीआई के पर्यवेक्षण रिटर्न नियमों का कितना पालन कर रहे हैं। यह सूचकांक बैंकों की निगरानी और जांच में केंद्रीय बैंक के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करता है। आरबीआई के अनुसार एसडीक्यूआई स्कोर का वर्गीकरण इस प्रकार है- 70 से कम गंभीर चिंता, 70-80 सुधार की जरूरत, 80-90 स्वीकार्य एवं 90 से अधिक अच्छा। सितंबर 2025 तिमाही में किसी भी बैंक का स्कोर 80 से कम नहीं था, जो सकारात्मक संकेत है। यह सूचकांक 87 बैंकों के आंकड़ों को शामिल करता है, जिसमें ऋण की गुणवत्ता, जोखिम प्रबंधन, नकदी स्थिति और पूंजी पर्याप्तता शामिल हैं।

दिसंबर 2025 में सोना-चांदी के ईटीएफ में एयूएम 2 लाख करोड़ के पार

साल की शुरुआत में एयूएम केवल 57,000 करोड़ रुपए थी

नई दिल्ली । सोने और चांदी के एक्सचेंज ट्रेडेड फंडों (ईटीएफ) की संयुक्त प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) दिसंबर 2025 में पहली बार 2 लाख करोड़ रुपये के पार चली गईं। साल की शुरुआत में यह केवल 57,000 करोड़ रुपये थी, जो सितंबर तक लगभग दोगुनी होकर 1 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई। केवल चार महीनों में एयूएम में इतनी तेजी रिकॉर्ड निवेश और कीमती धातुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि के कारण हुई। दिसंबर में गोल्ड ईटीएफ में 11,700 करोड़ रुपये का निवेश आया, जबकि सिल्वर ईटीएफ में निवेश दोगुना से अधिक बढ़कर 4,700 करोड़ रुपये हुआ। 2025 में कुल शुद्ध निवेश गोल्ड ईटीएफ में 43,000 करोड़ रुपये और सिल्वर ईटीएफ में 24,200 करोड़ रुपये रहा। गोल्ड ईटीएफ की निवेश दर म्युचुअल फंड श्रेणियों में फ्लेक्सी कैप फंड के बाद दूसरे स्थान पर रही। 2025 में सोने की कीमत में 75 फीसदी और चांदी की कीमत में 168 फीसदी की वृद्धि हुई। भू-राजनीतिक

तनाव, ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद, डॉलर का नरम होना सोने की मांग बढ़ाने वाले मुख्य कारण रहे। चांदी की कीमतों को मजबूत औद्योगिक मांग और आपूर्ति बाधाओं ने सहारा दिया। सोने के ईटीएफ फोलियो में पहले 11 महीनों में 53 फीसदी वृद्धि, जबकि चांदी में चार गुना वृद्धि दर्ज हुई। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश की यह तेजी दीर्घकालिक संरचनात्मक कारणों से प्रेरित है, और कीमती धातुओं की कीमतों में उछाल लंबे समय तक कायम रह सकता है।

भारत के ट्रैक्टर उद्योग ने 2025 में दर्ज की मजबूत बिक्री

996,633 ट्रैक्टरों की रिटेल बिक्री हुई, 2026 में भी मजबूत मांग की उम्मीद

नई दिल्ली ।

भारत का ट्रैक्टर उद्योग वित्त वर्ष कैलेंडर वर्ष 2025 को मजबूती के साथ समाप्त करने में सफल रहा। फाडा रिसर्च के अनुसार इस दौरान 996,633 ट्रैक्टरों की रिटेल बिक्री हुई, जो 2024 की 893,706 यूनिट की बिक्री से 11 प्रतिशत से अधिक है। बिक्री लगभग 10 लाख यूनिट तक पहुंच गई, जिससे उद्योग की स्थिर मांग का संकेत मिलता है। मजबूत कृषि अर्थव्यवस्था, बेहतर ग्रामीण नकदी प्रवाह और अनुकूल फसल उत्पादन ने इस वृद्धि में योगदान दिया। महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमऐंडएम) ने अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाकर 23.88 प्रतिशत कर ली, जबकि इसके स्वराज डिवीजन की हिस्सेदारी 18.72 प्रतिशत रही। दोनों ब्रांडों ने मिलकर साल भर उद्योग की बिक्री में 42 प्रतिशत से अधिक योगदान दिया। इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स (सोनालिका) ने 126,741 यूनिट बेचीं, लेकिन उसकी बाजार हिस्सेदारी 12.72 प्रतिशत पर सीमित रही।

भारत में ईवी बाजार 2025 में तेजी से बढ़ा, बाजार मे प्रतिस्पर्धा बढ़ी

-यात्री वाहनों की बिक्री में 77 फीसदी की वृद्धि देखी गई

नई दिल्ली ।

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की खुदरा बिक्री 2025 में मजबूत बढ़त दर्ज कर रही है। फाडा के आंकड़ों के अनुसार इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की बिक्री 2024 के 99,875 से बढ़कर 176,817 हो गई, यानी 77.04 प्रतिशत की वृद्धि। हालांकि, नए मॉडल और कंपनियों के प्रवेश से बाजार में प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है। टाटा मोटर्स ने 70,004 इलेक्ट्रिक कारें बेचीं, जो पिछले साल से 13.28 फीसदी अधिक हैं। इसके बावजूद, उसकी बाजार हिस्सेदारी 61 फीसदी से घटकर 39.6 फीसदी रह गई। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर की बिक्री दोगुनी से अधिक बढ़कर 51,387 वाहन हो गई, जिससे उसकी हिस्सेदारी 21.8 फीसदी से 29.1 फीसदी तक पहुंची। महिंद्रा × महिंद्रा ने सबसे तेज वृद्धि दर्ज की, बिक्री लगभग 5 गुना बढ़कर 33,513 वाहन हुई। प्रीमियम सेगमेंट में ह्युंडै, बीवाईडी, बीएमडब्ल्यू और किआ ने तीन अंकों में वृद्धि की, जबकि स्टेलेंटिस और वॉल्वो की बिक्री में गिरावट आई। दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में टीवीएस मोटर 298,881 वाहनों के साथ आगे रही, और उसकी बाजार हिस्सेदारी 23.35 फीसदी तक बढ़ी। बजाज ऑटो दूसरे स्थान पर रही। एथर एनर्जी की बिक्री 58.91 फीसदी बढ़कर 200,797 वाहन हो गई। इसके विपरीत, ओला इलेक्ट्रिक की बिक्री आधी होकर 199,318 रह गई और बाजार हिस्सेदारी 35.47 फीसदी से घटकर 15.57 फीसदी हो गई। विश्लेषकों का कहना है कि 2026 में और बदलाव संभव हैं, क्योंकि मारुति सुजूकी जैसे दिग्गज भी ईवी बाजार में प्रवेश कर रहे हैं। 15 लाख रुपये से कम वाले सेगमेंट में नए विकल्पों ने मांग बढ़ाई है, जिससे दोनों यात्री और दोपहिया ईवी की स्वीकार्यता तेजी से बढ़ रही है।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 780 अंक, निफ्टी 263 अंक नीचे आया

निवेशकों के 4 दिन में 7 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा डूबे

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को भारी गिरावट रही। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले-जुले संकतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 780.18 अंक नीचे आकर 84,180.96 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 263.90 अंक फिसलकर 25,876.85 पर पहुंच गया। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार , निवेशकों के 4 दिन में ही 7 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा डूब गये। बीएसई पर लिस्टेड सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 4 दिन में 7.19 लाख करोड़ रुपये नीचे आकर 474 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से , टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील और ट्रेंट के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। वहीं आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर लाभ में रहे। आज वेदांता के शेयरों में सबसे अधिक 3.01 फीसदी की गिरावट रही और ये 603.55 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रुस से तेल खरीदने पर 500 फीसदी शुल्क लगाने वाले बिल को लेकर भी निवेशकों में घबराहट है ओर वे बाजार से दूरी बनाये हुए हैं। यह, साथ ही अमेरिका-भारत व्यापार समझौते के संबंध में कोई ठोस घोषणा न होने से, निवेशक घबरा रहे हैं। इससे भी बाजार गिरा है। इसी कारण बाजार में लगातार चौथे दिन गिरावट रही है। पिछले 4 दिन में ही सेंसेक्स में 1565 अंक से ज्यादा की गिरावट आई है। वहीं, निफ्टी 50 में 1.70 फीसदी से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। सरकार की तरफ से कई कदम उठाए जाने के बावजूद विदेशी संस्थागत निवेशक बाजार से रकम निकालते जा रहे हैं। विदेशी संस्थागत निवेशकों की तरफ से कोई समर्थन न मिलने की वजह से गुरुवार को बाजार में गिरावट देखने को मिली। कमोडिटी कीमतों में भी गिरावट आई, जिससे कमोडिटी स्टॉक्स में बिकवाली देखने को मिली। हिन्दुस्तान जिंक के शेयर गुरुवार को 6 फीसदी से ज्यादा गिरे हैं। पिछले 6 महीने में कंपनी के शेयरों में एक दिन में आई यह सबसे बड़ी गिरावट है। रूस प्रतिबंध अधिनियम ने नए सिरे से ट्रेड वार का डर खड़ा कर दिया है। बिल में रूस से क्रूड ऑयल का आयात करने वाले देशों पर कम से कम 500 फीसदी तक टैरिफ लगाने का प्रावधान है। मेगाकैप स्टॉक्स में गुरुवार को भी बिकवाली का दबाव देखने को मिला। एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में गिरावट आई। इस हफ्ते की शुरुआत में इन दोनों दिग्गज स्टॉक्स में 4 फीसदी तक की गिरावट आई थी।

इससे पहले आज सुबह बाजार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ खुले। सुबह बीएसई सेंसेक्स 100 से अधिक अंकों की गिरावट के साथ 84,778.02 के स्तर पर खुला। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी कमजोरी के साथ 26,106 के स्तर पर खुला और खुलते ही 26,100 के नीचे फिसल गया।बाजार में फिलहाल चुनिंदा शेयरों में ही गतिविधि देखने को मिल रही है। वैश्विक स्तर पर बाजारों की नजर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वेनेजुएला से जुड़े हालिया कदमों पर टिकी हुई है।

कुछ रणनीतिक क्षेत्रों में स्वदेशीकरण जरूरी, पर आसान नहीं- सीईए

सात क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता जरूरी, तीन हाई-टेक क्षेत्रों में चुनौतियां बरकरार

नई दिल्ली ।

भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि देश के लिए कुछ रणनीतिक क्षेत्रों में स्वदेशीकरण अत्यंत आवश्यक है, हालांकि सभी क्षेत्रों में इसकी व्यावहारिकता समान नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट (आरईपीएम), बैटरी सेल व कैथोड मैटेरियल्स तथा सोलर वेफर्स और सोलर सेल्स जैसे तीन क्षेत्रों में स्वदेशीकरण जरूरी तो है, लेकिन इसकी व्यवहारिकता फिलहाल कम से मध्यम स्तर की है। आरईपीएम के वैश्विक उत्पादन में चीन का लगभग 90 प्रतिशत नियंत्रण है। इन मैग्नेट्स का उपयोग विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों के ट्रैक्शन मोटर सहित ऑटोमोबाइल कलपुर्जों में होता है। अप्रैल 2025 से चीन द्वारा भारत को आरईपीएम के निर्यात पर रोक लगाए जाने से घरेलू ऑटो उद्योग प्रभावित हो रहा है। सीईए ने सात ऐसे क्षेत्रों की पहचान की है जहां स्वदेशीकरण अत्यधिक जरूरी और अत्यधिक व्यावहारिक है। इनमें दालें, खाद्य तेल व तिलहन, एक्टिव फार्मास्युटिकल इनग्रेडिएंट्स (एपीआई) और उर्वरक इनपुट्स के विकल्प शामिल हैं।

सोना 251 रुपए टूटकर 1,37,758 व चांदी 2,50,400 के पार

सोना 251 रुपए टूटकर 1,37,758 व चांदी 2,50,400 के पार

वैश्वि बाजार में भी सोने और चांदी में मिला-जुला रुख रहा

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत गुरुवार को घरेलू बाजार में कमजोरी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना करीब 1,37,750 रुपये जबकि चांदी 2,50,400 रुपये के आसपास कारोबार कर रही थी। निवेशक वैश्विक संकेतों और डॉलर में उतार-चढ़ाव पर नजर बनाए हुए हैं। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट गुरुवार को 13 रुपये की गिरावट के साथ 1,37,996 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। पिछला बंद भाव 1,38,009 रुपये था। शुरुआती कारोबार के दौरान इसमें और दबाव देखने को मिला और यह 251 रुपये टूटकर 1,37,758 रुपये तक फिसल गया। दिन के कारोबार में सोने ने 1,37,996 रुपये का उच्च और 1,37,522 रुपये का निचला स्तर छुआ। गौरतलब है कि पिछले साल सोना 1,40,465 रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर तक पहुंचा था। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का मार्च कॉन्ट्रैक्ट 436 रुपये की बढ़त के साथ 2,51,041 रुपये प्रति किलो पर खुला। हालांकि शुरुआती तेजी ज्यादा देर टिक नहीं पाई और बाद में यह 184 रुपये

की गिरावट के साथ 2,50,421 रुपये पर कारोबार कर रही थी। दिन के दौरान चांदी ने 2,51,889 रुपये का उच्च और 2,50,286 रुपये का निचला स्तर देखा। इस साल चांदी 2,59,692 रुपये प्रति किलो के उच्च स्तर तक पहुंच चुकी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी में मिला-जुला रुख रहा। कॉमेक्स पर सोना 4,467.10 डॉलर प्रति औंस पर खुला, लेकिन बाद में 11.20 डॉलर की गिरावट के साथ 4,451.30 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। इस साल सोने ने 4,584 डॉलर प्रति औंस का उच्च स्तर छुआ है। वहीं कॉमेक्स पर चांदी 77.96 डॉलर प्रति औंस पर खुलकर 0.30 डॉलर की तेजी के साथ 77.91 डॉलर प्रति औंस पर

दो नए स्मार्टफोन्स लॉन्च करने की तैयारी वीवो कंपनी

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार में चाइनीज कंपनी वीवो जल्द ही अपने दो नए स्मार्टफोन्स लॉन्च करने की तैयारी में है। वीवो के दो डिवाइस, जिनके मॉडल नंबर वी237 और वी2561 बताए जा रहे हैं। ब्लूटूथ लिस्टिंग के मुताबिक इन स्मार्टफोन्स के नाम वीवो एक्स300 एफई और वीवो एक्स200 टी हो सकते हैं।

हालांकि कंपनी की ओर से अभी लॉन्च डेट को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन बीआईएस लिस्टिंग से यह साफ है कि भारत में इनकी एंट्री ज्यादा दूर नहीं है। लीक रिपोर्ट्स की मानें तो वीवो एक्स300 एफई को चीन में लॉन्च हुए एस50 प्रो

मिनी का रीब्रैंडेड वर्जन बताया जा रहा है। इस फोन में 6.31 इंच का 1.5के रेजॉल्यूशन वाला ओलेड एलटीपीओ डिस्प्ले मिल सकता है, जो 120एचझेड रिफ्रेश रेट सपोर्ट करेगा। परफॉर्मेंस के लिए इसमें स्नैपड्रेगन 8 जेन 5 प्रोसेसर दिए जाने की उम्मीद है। कैमरा सेटअप में 50 मेगापिक्सल का मेन कैमरा, 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रावाइड लेंस और 50 मेगापिक्सल का 3गुणा पेरिस्कोप कैमरा शामिल हो सकता है, जबकि फ्रंट में 50 मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा मिलने की संभावना है। कैमरा सेटअप में तीनों सेंसर 50 मेगापिक्सल के हो सकते हैं।

कीमत की बात करें तो वीवो एक्स 300 एफई करीब 60 हजार रुपये और एक्स200 टी लगभग 55 हजार रुपये के प्राइस रेंज में लॉन्च हो सकता है। वहीं वीवो एक्स200 टी को एक्स200एस का रीब्रैंडेड वर्जन माना जा रहा है, जिसे चीन में अप्रैल 2025 में लॉन्च किया गया था। इसमें 6.31 इंच का 1.5के ओलेड एलटीपीओ डिस्प्ले, 120एचझेड रिफ्रेश रेट, डायमेंसिटी 9400 प्लस चिपसेट और 6200 एमएएच की बैटरी मिल सकती है, जो 90वॉट वायर्ड और 40वॉट वायरलेस चार्जिंग को सपोर्ट करेगी।

युवाओं में 150-200सीसी बाइक सेगमेंट खासा लोकप्रिय

नई दिल्ली । भारतीय युवाओं में 150सीसी से 200सीसी मोटरसाइकिल सेगमेंट खासा लोकप्रिय रहा है। नवंबर 2025 में इस सेगमेंट ने एक बार फिर मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया। नवंबर 2025 में इस सेगमेंट में कुल 1,75,805 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की गई। नवंबर 2024 के मुकाबले यह करीब 20.44 प्रतिशत की सालाना बढ़त को दर्शाता है।

वहीं, अक्टूबर 2025 में दर्ज 2,10,831 यूनिट्स की तुलना में नवंबर में लगभग 16.61 प्रतिशत की मासिक गिरावट देखी गई। यह गिरावट त्योहारों के बाद मांग के सामान्य स्तर पर लौटने का संकेत मानी जा रही है।

ब्रांड्स की बात करें तो टीवीएस अपाचे ने नवंबर में भी अपनी नंबर-1 पोजिशन बरकरार रखी। इसकी बिक्री 48,764 यूनिट्स रही और सालाना आधार पर करीब 37 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। हालांकि, अक्टूबर के मुकाबले इसकी बिक्री में 20 प्रतिशत से ज्यादा की कमी आई। बजाज पल्सर ने भी दमदार प्रदर्शन करते हुए 45,246 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की और यह मजबूत नंबर-2 बनी रही। अपाचे और पल्सर मिलकर इस सेगमेंट की आधे से ज्यादा बिक्री पर कब्जा जमाए हुए हैं। होंडा यूनिकॉर्न ने 32,968 यूनिट्स की बिक्री के साथ तीसरा स्थान बनाए रखा। इसकी बिक्री सालाना और मासिक दोनों स्तर पर स्थिर रही, जो इसकी भरोसेमंद छवि को दर्शाती है।

यामाहा की नई बाइक एक्सएसआर ने 16,359 यूनिट्स की बिक्री के साथ शानदार एंट्री की, जबकि एफझेड, आर 15 और एमटी-15 जैसे पुराने मॉडल्स की बिक्री में गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा होंडा एसपी 160, हीरो एक्सपल्स 200 और होंडा हॉर्नेट 2.0 ने भी सालाना आधार पर अच्छा प्रदर्शन किया। वहीं केटीएम, हीरो, सुजुकी और कावासाकी की बाइकों का प्रदर्शन मिला-जुला रहा। कुल मिलाकर, नवंबर 2025 में यह सेगमेंट सालाना मजबूती के साथ आगे बढ़ता नजर आया। हालांकि, त्योहारों वाले अक्टूबर महीने के मुकाबले बिक्री में कुछ गिरावट जरूर आई, लेकिन सालाना आधार पर ग्रोथ ने बाजार की मजबूती को साफ तौर पर दिखाया।

राहत की उम्मीद- 60 डॉलर के नीचे गिरा कच्चा तेल,

घटेंगे पेट्रोल और डीजल के दाम

नई दल्ली।

भारतीय अर्थव्यवस्था और आम आदमी की जेब के लिए नए साल की शुरुआत एक बड़ी खुशखबरी के साथ हुई है। कई वर्षों के लंबे अंतराल के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत द्वारा खरीदे जाने वाले कच्चे तेल की औसत लागत 60 डॉलर प्रति बैरल के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे आ गई है। नवीनतम आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2026 में अब तक भारतीय कच्चा तेल बास्केट का औसत भाव 59.92 डॉलर प्रति बैरल दर्ज किया गया है। फरवरी 2021 के बाद यह पहला अवसर है जब कच्चे तेल की कीमतें इस निचले स्तर तक पहुंची हैं।

इससे पहले दिसंबर 2025 में यह औसत 62.2 डॉलर प्रति बैरल के करीब था। वैश्विक बाजार में आपूर्ति की अधिकता और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में मांग की सुस्ती ने कीमतों को नीचे धकेलने में बड़ी भूमिका निभाई है।

बाजार विशेषज्ञों और शोध संस्थानों का मानना है कि कच्चे तेल के दामों में आई यह गिरावट महज एक अस्थायी दौर नहीं है, बल्कि यह एक दीर्घकालिक रुझान की ओर इशारा कर रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार के मौजूदा संकेतों का विश्लेषण करने वाली विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, भारतीय कच्चा तेल बास्केट में आगे भी नरमी बनी रहने की प्रबल संभावना है। अनुमान जताया गया है कि मार्च 2026 तक कीमतें गिरकर 53 डॉलर और जून 2026 तक यह 50 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को भी तोड़ सकती हैं। यदि यह अनुमान सही साबित होते हैं, तो सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों के पास पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में बड़ी कटौती करने का पर्याप्त आधार होगा। इससे न केवल परिवहन लागत घटेगी, बल्कि रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों में भी कमी आने की उम्मीद है।

भारत अपनी कच्चे तेल की कुल आवश्यकता का लगभग 88 प्रतिशत हिस्सा आयात के जरिए पूरा करता है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में होने वाला मामूली सुस्ती ने कीमतों को नीचे धकेलने में बड़ी भूमिका निभाई है।

दुनिया का पहला 130-इंच माइक्रो आरजीबी टीवी लॉन्च

नई दिल्ली।

साल 2026 में सैमसंग कंपनी ने दुनिया का पहला 130-इंच माइक्रो आरजीबी टीवी लॉन्च कर दिया है। कंपनी का दावा है कि यह टीवी अब तक की सबसे बड़ी और सबसे एडवांस्ड डिस्प्ले तकनीक के साथ उपलब्ध है। टेलीविजन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में सैमसंग ने एक बार फिर अपनी बढ़त साबित की है।

यह टीवी केवल साइज में बड़ा नहीं है, बल्कि कलर, कंट्रास्ट, शैडो डिटेल और ऑडियो एक्सपीरियंस के मामले में भी एक नया बेंचमार्क सेट करता है। सैमसंग का यह नया मॉडल नेक्सट जेनरेशन कलर प्रोसेसिंग, एचडीआर10 प्लस एडवांस्ड सपोर्ट, एआई-एक्सीलरेटेड कलर और ग्लारे फ्री टेक्नोलॉजी से लैस है, जो हर तरह के कंटेंट को ज्यादा रियल और इमर्सिव बनाता है। सैमसंग का 130-इंच माइक्रो आरजीबी टीवी, मॉडल आर95एच, कंपनी की माइक्रो आरजीबी सीरीज का अब तक का सबसे बड़ा और प्रीमियम वर्जन है। इसमें इंडिविजुअली कंट्रोल होने वाली माइक्रो आरजीबी एलईडी का इस्तेमाल किया गया है, जिससे पारंपरिक मिनी एलईडी या एलसीडी की तुलना में ज्यादा सटीक रंग और गहरा कंट्रास्ट देखने को मिलता है।

एआई-आधारित प्रोसेसिंग की मदद से खासतौर पर डार्क और लो-लाइट सीन में तस्वीरें ज्यादा नैचुरल और डिटेल्ड नजर आती हैं।

विजन एआई कॉमेनियन जैसे फीचर्स टीवी को स्मार्ट एंटरटेनमेंट हब में बदल देते हैं,

जहां एआई-बेस्ड सजेशन, लाइव ट्रांसलेशन और एडवांस साउंड कंट्रोल जैसी सुविधाएं मिलती हैं।

साउंड सिस्टम भी टीवी के फ्रेम में इंटीग्रेटेड है, जिससे पिक्चर और ऑडियो का तालमेल और ज्यादा प्रभावशाली बनता है।यह टीवी 100 प्रतिशत बीटी.2020 वाइड कलर गमट को सपोर्ट करता है, जिसे सटीक कलर रिप्रोडक्शन के लिए सर्टिफिकेशन भी मिला है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिसंबर के लिए महिला प्लेयर ऑफ द मंथ का ऐलान, लिस्ट में शैफाली वर्मा अकेली भारतीय

दुबई (एजेंसी)। स्टार बल्लेबाज लॉरा वोल्वार्ड्ट, शैफाली वर्मा और दक्षिण अफ्रीका की प्रभावशाली ऑलराउंडर सुने लुस को शानदार प्रदर्शन के बाद दिसंबर 2025 के लिए ICC महिला प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। ICC महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में शानदार प्रदर्शन के बाद वोल्वार्ड्ट ने अपनी प्रतिभा दिखाना जारी रखा और सभी फॉर्मेट में तीन शतक लगाकर एक शानदार साल का समापन किया। आयरलैंड के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी करते हुए, प्रोटियाज कप्तान शानदार फॉर्म में थीं, क्योंकि उनकी टीम ने ODI (3-0) और टी20आई (2-0) दोनों सीरीज़ में क्लीन स्वीप किया।

वोल्वार्ड्ट पहले टी20आई में अपने सबसे खतरनाक फॉर्म में थीं। उन्होंने 205.35 के शानदार स्ट्राइक रेट से नाबाद 115 रन बनाए जिसमें 15 चौके और 4 छक्के शामिल थे। उनका दबदबा ODI सीरीज में भी जारी रहा, जहां उन्होंने ओपनिंग की और पूरी सीरीज में अहम भूमिका निभाई। पहले मैच में 31 रन बनाने के बाद उन्होंने लगातार 2 शतक लगाए, दूसरे ODI में 111 गेंदों पर 124 रन बनाए और फिर आखिरी मैच में नाबाद 100 रन बनाकर क्लीन स्वीप पक्का किया। तीनों ODI में वोल्वार्ड्ट ने 127.50 के शानदार औसत और 111.84 के स्ट्राइक रेट से 255 रन बनाए। उन्होंने टी20आई सीरीज में 190.27 के शानदार स्ट्राइक रेट से 137 रन बनाए और सिर्फ एक बार आउट हुईं।

भारत की शैफाली वर्मा भी श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की टी20आई सीरीज में उतनी ही विस्फोटक थीं, उन्होंने लगातार आक्रामक शुरुआत दी जिससे भारत ने घरेलू मैदान पर 5-0 से शानदार सीरीज जीत हासिल की। सीरीज के पहले मैच में शांत प्रदर्शन के बाद वर्मा ने दूसरे मैच से लय पकड़ी और नाबाद 69 रन बनाकर भारत को आसानी से जीत दिलाई। इसके बाद उन्होंने तीसरे मैच में एक और नाबाद 79 रनों की पारी खेली जिससे भारत ने 14 ओवर के अंदर ही लक्ष्य हासिल कर लिया। शैफाली का सबसे शानदार प्रदर्शन चौथे टी20आई में आया, जहां उन्होंने स्मृति मंधाना के साथ एक रिकॉर्ड-ब्रेकिंग पार्टनरशिप की, जो महिला टी20आई में किसी भी विकेट के लिए भारत की सबसे बड़ी पार्टनरशिप थी और 46 गेंदों में से 79 रन बनाए जिससे भारत ने अपना अब तक का सबसे बड़ा टी20आई टोटल 221 बनाया। वर्मा ने 5 मैचों में 181.20 के शानदार स्ट्राइक रेट और 80.33 की औसत से 241 रन बनाकर सीरीज खत्म की, और अपने मैच जिताने वाले योगदान के लिए प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़ का अवॉर्ड जीता।

दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर सुने लुस ने भी एक शानदार महीना बिताया। उन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से महत्वपूर्ण प्रदर्शन किया जिससे दक्षिण अफ्रीका ने आयरलैंड को दोनों फॉर्मेट में क्लीन स्वीप किया। लुस ने पहले टी20आई में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने ओपनिंग करते हुए 81 रन बनाए और फिर चार विकेट लिए। इसके बाद उन्होंने दूसरे मैच में महत्वपूर्ण 37 रन बनाए जिससे दक्षिण अफ्रीका ने 201 का बड़ा टोटल बनाया। ODI सीरीज में उनका प्रभाव और बढ़ा, जहां उन्होंने पहले मैच में नाबाद 66 रन बनाकर टॉप स्कोर किया और एक विकेट भी लिया। दूसरे ODI में लुस ने अपना दूसरा ODI शतक बनाया जिसमें 113 गेंदों में 114 रन शामिल थे और अपने खाते में एक और विकेट जोड़ा।

दो ODI मैचों में लुस ने 102.50 के शानदार औसत और 98.55 के स्ट्राइक रेट से 205 रन बनाए, साथ ही 4.97 की इकॉनमी रेट से चार विकेट भी लिए। टी20आई में उन्होंने 157.33 के स्ट्राइक रेट से 118 रन बनाए और 6.42 की इकॉनमी से चार विकेट लिए, जिससे दिसंबर महीने में एक प्रभावशाली ऑलराउंडर के रूप में उनका महत्व साबित हुआ।

सिडनी टेस्ट के साथ ही ख्वाजा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

मुम्बई (एजेंसी)। सिडनी (ईएमएस)। सिडनी में एशेज सीरीज के अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम की जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा का 15 साल का अंतरराष्ट्रीय करियर भी समाप्त हो गया है। सिडनी क्रिकेट मैदान में हुए पांचवें और अंतिम टेस्ट में ख्वाजा असफल रहे और दोनो पारियों में 17 और 6 रन ही बना पाये हालांकि उसने लिए खुशी की बात ये रही कि टीम की जीत के साथ हीउनका संन्यास हुआ। इस मैच से पहले ही इस क्रिकेटर ने संन्यास की घोषणा कर दी थी।

विदायी टेस्ट के पांचवें दिन जब ख्वाजा मैदान पर उतरे, तो वह अपनी टीम के आगे-आगे चलते नजर आए और उनके साथी खिलाड़ी पीछे थे। वहीं जब वह अंतिम बार बल्लेबाजी करने उतरे, तो इंग्लैंड की टीम ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया।

मैच में जीत के बाद ख्वाजा ने कहा, यह मेरे लिए बहुत बड़ी जीत है। इस क्रिकेट सफर में सफर में बहुत कुछ लगा है। क्रिकेट एक शानदार खेल है। मैंने आज सुबह रैफरी से कहा था कि बस खेल का आनंद लेना है। मेरा सपना जीत के साथ समापन का था जो पूरा हुआ है। सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि मैं अंतिम मैच जीत सका और अपने साथियों के उन्होंने स्वीकार किया कि भावनात्मक रूप से यह मैच उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण था।

ख्वाजा ने कहा, यह बहुत मुश्किल था। मैं खुद को शांत दिखाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन इतने अहम टेस्ट मैच में अपनी भावनाओं पर काबू रखना आसान नहीं था। मैंने हमेशा अपने करियर में भावनाओं को नियंत्रित करने में सफल रहा पर इस मैच में ध्यान लगाना बेहद कठिन हो गया था।इसका एक कारण ये भी रहा कि यहीं अपना बचपन बिताया था और यहीं से फर्स्ट क्लास और टेस्ट डेब्यू किया था।

ख्वाजा ने कुल 88 टेस्ट, 40 एकदिवसीय और 9 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। टेस्ट क्रिकेट में ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से 43.39 के औसत से 6229 रन बनाए हैं। टेस्ट प्रारुप में उन्होंने 16 शतक और 28 अर्धशतक लगाए हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनका सबसे अधिक स्कोर 232 रनों का रहा है। वहीं एकदिवसीय प्रारुप में उन्होंने 1554 रन बनाए।

तिलक सर्जरी के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हुए

-विश्ककप में भी खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज तिलक वर्मा की सर्जरी हुई है। इस कारण अब तिलक न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हो गये हैं। यहां तक कि वह अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप में भी शायद ही खेल पायें। तिलक को राजकोट में तेज दर्द उठने के बाद अस्पताल ले जाया गया था। इसके बाद उनकी चोट गंभीर पाये जाने के कारण सर्जरी की गयी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला इसी माह 21 जनवरी से नागपुर में शुरू होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी ने कहा, 'विजय हजारे टूर्नामेंट के लिए हैदराबाद की टीम के साथ राजकोट में खेल रहे तिलक को ग्रोइन क्षेत्र में तेज दर्द उठा। उन्हें तुरंत ही अस्पताल ले जाया गया, जहां स्कैन करने पर तत्काल सर्जरी करने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा, 'हमने अपने विशेषज्ञ डॉक्टरों से राय ली और वे भी इस बात से सहमत थे। तिलक की सर्जरी सफल रही और अब वह ठीक है। चिकित्सा पैनल के साथ चर्चा के बाद जैसे ही हमें उनके स्वास्थ्य में सुधार और खेल में उनकी वापसी के संभावित समय के बारे में जानकारी मिलेगी, उसकी जानकारी दी जाएगी। तिलक अगर विश्वकप तक फिट नहीं होते तो ये भारतीय टीम के लिए करारा झटका होगा क्योंकि वह एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं। एशिया कप में उन्होंने शानदार पारी खेलकर टीम को जीत दिलायी थी।

ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी टेस्ट में इंग्लैंड को पांच विकेट से हराकर 4-1 से एशेज सीरीज जीती

सिडनी (एजेंसी)। स्टीव स्मिथ की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को पांचवें और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में पांच विकेट से हराकर एशेज सीरीज 4-1 से जीत ली है। इस सीरीज में हार के साथ ही कप्तान बेट स्टोक्स की इंग्लैंड टीम के एशेज जीतने का सपना भी टूट गया। इस पूरी सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम हावी रही और इंग्लैंड उसके सामने कहीं नहीं टिक पायी। इंग्लैंड की टीम केवल चौथे बॉक्सिंग डे टेस्ट में ही जीतने में सफल रही। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहला, दूसरा, तीसरा और पांचवा टेस्ट जीतकर एक बार फिर एशेज में अपनी बादशाहत साबित की है।

मैच के पांचवे दिन दिन इंग्लैंड की टीम सुबह ही अपनी दूसरी पारी में 342 रन बनाकर आउट हो गयी। जैकब बेथेल ने सबसे अधिक 265 गेंदों पर 154 रन बनाये। वहीं हैरी ब्रूक 42 और जेमी स्मिथ 26 रन बनाकर आउट हुए। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से आलराउंडर ब्यू वेब्स्टर और मिचेल स्टार्क ने दूसरी पारी में 3-3 विकेट लिए, जबकि बोलैंड ने दो विकेट लिए जबकि एक विकेट नेसर को मिला।

इसके बाद पहली पारी में मिली 183 रनों की बढ़त के कारण ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए केवल 160 रन का लक्ष्य मिला, जिसे उसने 31.2 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरी पारी की शुरुआत सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड और जैक वेदरलैंड ने की। ट्रेविस 29 जबकि वेदरलैंड

34 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। वहीं कप्तान स्टीव स्मिथ ने 12 रन बनाये। उस्मान ख्वाजा अपने कैरियर के अंतिम मैच में असफल रहे और 7 गेंद पर केवल 6 रन ही बना पाये। मार्नस लाबुशेन ने 37 रन बनाए। वहीं कैमरन ग्रीन 22 और एलेक्स कैरी 16 रन बनाकर नाबाद रहे। कैरी ने चौका लगाकर टीम को जीत दिलायी।।

इस मैच में इंग्लैंड की टीम ने जो रूट के शतक 160 रन और हैरी ब्रूक के 84 रनों की सहायता से अपनी पहली पारी में 384 रन बनाये थे। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने ट्रेविस हेड और स्टीव स्मिथ के शतकों से करारा जवाब देते हुए पहली पारी में 567 रन बनाये। स्मिथ ने 138 रनों की पारी खेली। वहीं ब्यू वेबस्टर ने नाबाद 71 रन बनाये।

रुट इसी प्रकार खेले तो अगले कुछ साल में सचिन का रिकार्ड तोड़ देंगे

सिडनी (ईएमएस)। इंग्लैड के बल्लेबाज जो रूट ने एशेज टेस्ट सीरीज में जिस प्रकार से दो शतक लगाये है। उससे वह रनों के मामले में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के और करीब पहुंच गये हैं। टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सचिन के नाम है। सचिन ने टेस्ट में 200 मैचों में 15921 रन बनाए थे। वहीं जो रूट ने अब तक 163 टेस्ट मैचों में 13928 रन बनाये हैं। अब रूट और सचिन के बीच 1,984रनों का अंतर रह गया है। अगर रूट का यही फॉर्म कुछ और समय तक जारी रहता है तो वह सचिन के सबसे ज्यादा रन बनाने के वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा शतक लगाने का विश्व रिकॉर्ड भी सचिन के नाम है। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में कुल 51 टेस्ट शतक लगाए थे। वहीं रूट सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने के मामले में संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने अभी तक कुल 41 टेस्ट शतक लगाए हैं। अब अगर रूट को तेंदुलकर के इस रिकॉर्ड को तोड़ना है तो उन्हें आने वाले समय में 11 शतक और लगाने होंगे। रुट की उम्र अभी 35 साल है और ऐसे में दो से दिन साल तक खेलने का समय उनके पास और है जिसमें वह इसी लय ये खेलते रहे तो सचिन के रिकार्ड के पास पहुंच ही नहीं उसे तोड़ भी सकते हैं।

स्टार्क 30 विकेट लेने वाले विशिष्ट क्लब में शामिल हुए

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज में 31 विकेट लेते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। अब स्टार्क एशेज में 30 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों के एक विशेष क्लब में शामिल हो गए हैं। स्टार्क ने पांच मैचों की सीरीज की 10 पारियों में 19.93 के बेहतरीन औसत के साथ ही 31 विकेट लिए, इस दौरान उन्होंने दो बार पांच विकेट भी लिए। स्टार्क, ने इस सीरीज में टीम की जीत में भी अहम भूमिका निभाई। इससे पहले साल दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न ने 2005 सीरीज में 40 विकेट, मिशेल जॉनसन ने 2013-14 में 37 विकेट, ग्लेन मैकग्रा ने साल 2001 में 32 विकेट, और वॉर्न ने 2001 में 31 विकेट लिए थे। अब इस सूची में स्टार्क भी शामिल हो गये हैं। एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ 4- । से जीत दर्ज की।

मलेशिया ओपन में भारत का डबल धमाल, पीवी सिंधु और सात्विक-चिराग क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

कुआलालंपुर (एजेंसी)। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी गुरुवार को चल रहे मलेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) सुपर 1000 प्रतियोगिता में भाग लेते हुए, पूर्व विश्व चैंपियन ने जापान की आठवीं वरीयता प्राप्त तोमोका मियाजाकी को हराकर अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की की। बीडब्ल्यूएफ महिला एकल रैंकिंग में वर्तमान में 18वें स्थान पर काबिज दो बार की ओलंपियन ने अपने पहले दौर के मैच में विश्व नंबर 33 की खिलाड़ी सुंग शुओ-युन (चीनी ताइपे) को 21-13, 22-20 से हराकर टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया।

सिंधु ने पहले गेम में 21-8 से दबदबा बनाया और दूसरे गेम में 21-13 से जीत हासिल करके अपनी लय बरकरार रखी। सिंधु अब क्वार्टर फाइनल में चीन की गाओ फांग जी और जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त अकाने यामागुची के बीच होने वाले

मुकाबले की विजेता से भिड़ेंगी। पुरुष युगल में, तीसरी वरीयता प्राप्त चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने भी मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप को 39 मिनट में 21-18 और 21-11 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। इस जीत के साथ, भारतीय जोड़ी ने मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ अपना शीर्ष रिकॉर्ड 4-0 कर लिया।

अब उनका मुकाबला चीन के ताइपे के चेन झी रे/लिन यू चिएह और छठी वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के फजर अल्फियन/फिकरी मुहम्मद के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। चिराग और सात्विकसाईराज ने चीन के ताइपे के ली झे-हुई और यांग पो-ह्सुआन को 21-13, 21-15 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। यह मैच मात्र 35 मिनट तक चला।

चीन की ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ऑस्ट्रेलियन ओपन से हटीं

वुहान । चीन की ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन से हटने की घोषणा की है, उन्होंने कहा कि वह अभी तक अपनी पसंदीदा प्रतिस्पर्धी स्थिति में नहीं पहुंची हैं। झेंग ने सोशल मीडिया पर एक बयान पोस्ट किया, जिसमें कहा गया कि यह फैसला उनकी टीम द्वारा सावधानीपूर्वक मूल्यांकन और मेडिकल सलाह के बाद लिया गया है। हालांकि झेंग ने कहा कि उनकी रिकवरी अच्छी तरह से हो रही है और उनका ऑफ-सीजन सुचारू रूप से चला गया है, उन्होंने कहा कि ग्रैंड स्लैम में प्रतिस्पर्धा करने के लिए खिलाड़ियों को 'अत्यधिक प्रतिस्पर्धी स्थिति' में होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'फिलहाल, मैं अभी तक उस सर्वश्रेष्ठ स्थिति में नहीं पहुंची हूं जो मैंने अपने लिए तय की है।' 'झेंग ने इस वापसी को 'अविश्वसनीय रूप से कठिन' बताया। झेंग ने कहा, 'मेलबर्न मेरी भाग्यशाली जगह है, जहां मैंने अपना पहला ग्रैंड स्लैम मेन ड्रॉ मैच जीता और जहां मुझे अपना सबसे अच्छा अनुभव मिला। मेरा इस जगह से एक खास रिश्ता है, और मैं मेलबर्न पार्क में अपना नया सीजन शुरू करने के लिए बहुत उत्सुक थी।' झेंग 2024 ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचीं, जहां वह आर्यना सबालेंका से हार गईं। विंबलडन में पहले दौर से बाहर होने के बाद पिछले जुलाई में उनकी कोहनी की सर्जरी हुई थी। 23 वर्षीय खिलाड़ी ने चाइना ओपन में वापसी की कोशिश करने से पहले यूएस ओपन और कई अन्य टूर्नामेंट छोड़ दिए, लेकिन चोट के दोबारा होने के कारण तीसरे दौर के मैच के तीसरे सेट में उन्हें रिटायर होना पड़ा।

डब्ल्यूपीएल 2026 से पहले मिताली राज का बड़ा बयान, लौरा वोल्वाड्ट को बताया दिल्ली कैपिटल्स का 'गेम चेंजर'

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 के नए सीज़न की शुरुआत से पहले जैसे-जैसे समय बीत रहा है, पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज ने तीन बार फाइनल में पहुंचने वाली दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) की टीम और नीलामी में चुने गए उनके महत्वपूर्ण खिलाड़ियों, जिनमें लौरा वोल्वाड्ट भी शामिल हैं, का विश्लेषण किया है। राज ने नई कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स के नेतृत्व में फ्रेंचाइजी के पहले खिताब की संभावनाओं पर भी चर्चा की। राज ने लौरा वोल्वाड्ट, उनके नेतृत्व गुणों और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके शानदार प्रदर्शन के बारे में बात की।

मिताली राज ने जियोस्टार पर कहा कि लौरा वोल्वाड्ट वनडे फॉर्मेट में शानदार फॉर्म में हैं। पिछले कुछ सीज़न में गुजरात जायंट्स के लिए एक बल्लेबाज के रूप में उन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और टीम में उनका योगदान बहुत अधिक रहा है। वह अपनी टीम के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। उनके नेतृत्व गुणों और बल्लेबाजी को देखते हुए, टीम उन्हें प्लेइंग इलेवन में जरूर शामिल करना चाहेगी। 2026 सीज़न से पहले, दिल्ली कैपिटल्स ने जेमिमा को अपना नया कप्तान घोषित किया है, जो ऑस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग की जगह लेंगी।

डब्ल्यूपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी संभालने के बारे में बात करते हुए, राज ने कहा कि उन्हें टीम का नेतृत्व करते देखना बहुत दिलचस्प होगा, और भारत के लिए खेलते हुए उन्होंने जो अनुभव हासिल किया है, वह उनके लिए स्वाभाविक रूप से काम आएगा। उन्होंने आगे कहा, 'जेमिमा रोड्रिग्स को दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करते देखना बहुत दिलचस्प होगा। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में मुंबई की कप्तानी की है, लेकिन किसी फ्रेंचाइजी की कप्तानी करना और विदेशी खिलाड़ियों के मार्गदर्शन में खेलना थोड़ा अलग होता है। हालांकि, भारत के लिए खेलते हुए उन्होंने जो अनुभव हासिल किया है, उससे यह उनके लिए स्वाभाविक रूप से काम आएगा।' दिल्ली कैपिटल्स अब तक सभी डब्ल्यूपीएल सीजन के फाइनल में पहुंची है, लेकिन ट्रॉफी जीतने में नाकाम रही है। डब्ल्यूपीएल की शुरुआत 9 जनवरी से मुंबई इंडियंस (एमआई) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच होने वाले मैच से होगी। डीसी रविवार को एमआई के खिलाफ डब्ल्यूपीएल 2026 सीजन का पहला मैच खेलेगी।

खराब दौर से गुजर रही चेल्सी ने लियम रोसेनियर को बनाया कोच

लंदन । एम समय प्रीमियर लीग फुटबॉल की शीर्ष टीम रही चेल्सी आजकल कठिन दौर से गुजर रही है। टीम को बड़े मुकाबलों में जीत नहीं मिल रही। एस समय टीम किसी भी हाल में जीतने का प्रयास करती थी पर पिछले कुछ समय में इसमें अंतर आया है। इसी के तहत ही स्ट्रासबर्ग के मुख्य कोच रहे लियम रोसेनियर को क्लब ने कोच बनाया है। 41 साल के रोसेनियर ने 2024 में पैट्रिक विएरा की जगह स्ट्रासबर्ग की कमान संभाली थी और अब वह एन्ज़ो मारेस्का की जगह चेल्सी के मुख्य कोच बने हैं। चेल्सी के लिए यह एक बड़ा प्रयोग है। क्लब उम्मीद कर रहा है कि रोसेनियर न सिर्फ युवाओं को तकनीकी रूप से बेहतर बनाएंगे, बल्कि ड्रेसिंग रूम में अनुशासन और स्थिरता भी लाएंगे। रोसेनियर की कोचिंग जगत में अलग छवि है। बतौर खिलाड़ी उन्होंने प्रीमियर लीग और चैंपियनशिप में डिफेंडर के रूप में लंबा करियर बिताया। खेल से संन्यास के बाद वह कोचिंग में आए और ब्राइटन अंडर-23, डर्बी काउंटी और फिर वेन रूनी के सहायक के तौर पर सफल रहे हैं। वेन रूनी ने भी रोसेनियर की जमकर प्रशंसा की है। उनके मुताबिक, रोसेनियर का काम करने का तरीका,उन्हें खास बनाती है। यह भी माना जाता है कि डर्बी में कठिन हालात के बावजूद टीम को संभालने में रोसेनियर की भूमिका अहम रही।कोच के तौर पर रोसेनियर की सबसे बड़ी पहचान युवा खिलाड़ियों को निखारना रही है। हल सिटी में उन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद टीम को सातवें स्थान तक पहुंचाया। वहां लियम डेलाप, टायलर मॉर्टन और फैबियो कार्वाल्हो जैसे युवा खिलाड़ियों को उन्होंने भरपूर मौके दिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए ट्रंप के दूत विटकॉफ से मिले जेलेंस्की, समर्थन के लिए यूएस को कहा धन्यवाद

पेरिस, एजेंसी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने मंगलवार को पेरिस में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर के साथ एक अहम बैठक की। इस बैठक में दोनों पक्षों ने मुख्य रूप से रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के कूटनीतिक प्रयासों पर चर्चा की। साथ ही दोनों पक्षों ने सुरक्षा गारंटी, युद्धविराम की निगरानी और देश के पुनर्निर्माण जैसे अहम मुद्दों पर विचार किया। इस दौरान राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अमेरिकी समर्थन और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और इसे युद्ध समाप्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका सुरक्षा गारंटी, युद्धविराम की निगरानी और देश के पुनर्निर्माण में मदद करने के लिए तैयार है। आगे जेलेंस्की ने इस बात पर भी जोर दिया कि सात जनवरी को पेरिस में दोनों देशों की टीमें फिर से सुरक्षा गारंटी और युद्ध समाप्ति के लिए बुनियादी ढांचे पर काम जारी रखेंगी। बता दें कि इस बैठक में यूक्रेन की ओर से कार्यालय प्रमुख किरिलो बुडानोव, राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद के सचिव रुस्तेम उमेरोव, जनरल आंद्रेई ह्नातोव, कार्यालय के पहले उप प्रमुख सर्गी किसलित्स्या और राष्ट्रपति कार्यालय के सलाहकार ओलेक्सांद्र बेज्ज शामिल थे। वहीं इस बैठक के बाद अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकोफ ने कहा कि उनकी टीम ने यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल और 'कोएलिशन ऑफ द विलिंग' के साथ बैठक की, जिससे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शांति योजना को आगे बढ़ाया जा सके। अब बात अगर बैठक में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की बात करें तो ट्रंप की तरफ से जैरेड कुश्नर, जनरल एलेक्स ग्रिंकेविच, एम्बेसडर चार्ल्स कुश्नर और व्हाइट हाउस सलाहकार जोश ग्रुएनबाम इस बैठक में शामिल थे।

मादुरो की गिरफ्तारी के समय वेनेजुएला के 24 सुरक्षा अधिकारी मारे गए, कुल आंकड़ा 50 के पार

कराकास, एजेंसी। वेनेजुएला की सेना ने बताया है कि शनिवार को अमेरिकी सैन्य ऑपरेशन में वेनेजुएला के कम से कम 24 सुरक्षा अधिकारी मारे गए। इससे मरने वालों की आधिकारिक संख्या करीब 56 हो गई है। इनमें आम नागरिक और सैन्यकर्मी दोनों शामिल हैं। वेनेजुएला के अटॉर्नी जनरल तारेक विलियम साब ने मंगलवार को कहा कि दर्जनों अधिकारी और नागरिक मारे गए और अभियोजक इन मौतों की जांच करेंगे। साब ने अमेरिकी अभियान को युद्ध अपराध करार दिया। इससे पहले क्यूबा की सरकार ने रविवार को एलान किया कि अमेरिकी अभियान में वेनेजुएला में काम कर रहे उसके 32 सैनिक और पुलिस अधिकारी मारे गए हैं। क्यूबा ने कहा कि ये सैनिक वेनेजुएला में काम कर रहे थे। वेनेजुएला की सेना ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें अमेरिकी हमले में मारे गए सैनिकों की तस्वीरें दिख रही हैं। शनिवार को अमेरिका ने वेनेजुएला पर एक विशेष सैन्य अभियान के तहत हमला किया। इस कार्रवाई के दौरान वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को राजधानी कराकास से पकड़ लिया गया और उन्हें गिरफ्तार कर अमेरिका ले जाया गया। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक न्यूज चैनल से बातचीत में कहा था कि इस ऑपरेशन में अमेरिका की तरफ कोई मौत नहीं हुई, सिर्फ कुछ सैनिक घायल हुए। ट्रंप ने इसे बेहद जटिल लेकिन सफल ऑपरेशन बताया और अमेरिकी सेना की जमकर तारीफ की। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अब वेनेजुएला को अस्थायी रूप से चलाएगा, जब तक वहां सुरक्षित और व्यवस्थित सत्ता परिवर्तन नहीं हो जाता।

कनाडा में मोहाली के स्टूडेंट की मौत : पैदल ही जा रहा, कार ने मारी टक्कर, पुलिस खंगाल रही डैशकैम फुटेज

मोहाली, एजेंसी। कनाडा के ओंटारियो प्रांत में एक सड़क हादसे में पंजाब के मोहाली जिले की लालडू मंडी निवासी 22 वर्षीय छात्र अरमान चौहान की मौत हो गई। यह घटना 5 जनवरी को ओंटारियो के हाईवे-401 पर क्रामेह टाउनशिप के पास हुई। हादसे के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है, जिसके चलते ओंटारियो प्रोविंशियल पुलिस (ओपीपी) मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, अरमान अपने एक दोस्त के साथ मॉन्ट्रियल से टोरंटो की ओर जा रहा था। हालांकि, हादसे के समय अरमान के पैदल चलने की बात सामने आई है। यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि वह व्यस्त हाईवे पर पैदल किन परिस्थितियों में पहुंचा। जांच एजेंसियां इसी बिंदु को लेकर असमंजस में हैं। ओंटारियो प्रोविंशियल पुलिस को सूचना मिली थी कि हाईवे की पश्चिमी लेन में एक कार ने एक पैदल यात्री को टक्कर मारी है। मौके पर पहुंची पुलिस को मीडियन के पास एक कार खड़ी मिली। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि अरमान की जान उसी कार की टक्कर से गई या किसी अन्य वाहन की चपेट में आने से। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और डैशकैम फुटेज के जरिए पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

कोलंबिया के राष्ट्रपति की ट्रम्प को धमकी: कहा- हिम्मत है तो मुझे पकड़कर दिखाओ

बोगोटा, एजेंसी। पेट्रो ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को सीधी चुनौती देते हुए कहा है कि अगर हिम्मत है तो उन्हें गिरफ्तार करके दिखाएं। उन्होंने कहा कि वह कोलंबिया में ही मौजूद हैं और अमेरिका का इंतजार कर रहे हैं। पेट्रो के इस बयान ने पूरे लैटिन अमेरिका में सियासी हलचल तेज कर दी है। उन्होंने यह बयान वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार करने के बाद दिया। गौरतलब है कि मादुरो भी अगस्त 2025 में डोनाल्ड ट्रम्प को इसी तरह की चुनौती दे चुके हैं। मादुरो ने कहा था कि अगर हिम्मत है तो अमेरिका आकर उन्हें गिरफ्तार करे। इसके जवाब में अमेरिका ने मादुरो की गिरफ्तारी पर घोषित इनाम की राशि और बढ़ा दी थी।

अमेरिका ने हमला किया तो भड़क सकती है गुरिल्ला जंग: पेट्रो ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने कोलंबिया या उसके आसपास के इलाकों में सैन्य हमला किया तो इसके गंभीर नतीजे होंगे। पेट्रो के मुताबिक, अमेरिकी बमबारी की स्थिति में गांवों में रहने वाले किसान हथियार उठा सकते हैं और पहाड़ी इलाकों में जाकर गुरिल्ला लड़ाई शुरू हो सकती है, जिससे पूरा क्षेत्र अस्थिर हो जाएगा। पेट्रो ने यह भी कहा कि अगर ऐसे राष्ट्रपति को गिरफ्तार करने की कोशिश की गई, जिसे देश की बड़ी आबादी पसंद करती है और सम्मान देती है, तो जनता का गुस्सा फूट सकता है। गुस्तावो पेट्रो ने यह भी कहा कि वे खुद पहले गुरिल्ला आंदोलन का हिस्सा रह चुके हैं और

उन्होंने 1990 के दशक में हथियार छोड़ दिए थे। उन्होंने कहा कि मैंने कसम खाई थी कि अब कभी बंदूक नहीं उठाएंगे, लेकिन अगर देश और मातृभूमि की रक्षा के लिए जरूरत पड़ी तो वे फिर से हथियार उठा सकते हैं।

ट्रम्प ने कोलंबिया को बीमार देश बताया था : इससे पहले ट्रम्प ने कोलंबिया पर गंभीर आरोप लगाए थे। रविवार को पत्रकारों से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा था कि कोलंबिया एक बीमार देश है और वहां एक ऐसा शख्स शासन कर रहा है जो कोकीन बनाकर अमेरिका भेजता है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि यह राष्ट्रपति ज्यादा समय तक सत्ता में नहीं रहेगा। इतना ही नहीं, ट्रम्प ने यह बयान भी दिया कि कोलंबिया के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करना उन्हें एक अच्छा विचार लगता है।

कोलंबिया बोला- किसी को धमकी देना सही नहीं : कोलंबिया सरकार ने इन बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि वह अंतरराष्ट्रीय रिश्तों में बातचीत, सहयोग और आपसी सम्मान में विश्वास रखती है। सरकार ने साफ शब्दों में कहा कि किसी भी देश को धमकी देना या ताकत का इस्तेमाल करना सही नहीं है और यह अंतरराष्ट्रीय नियमों के खिलाफ है। गौरतलब है कि इससे पहले अक्टूबर महीने में ट्रम्प प्रशासन ने कोलंबियाई राष्ट्रपति पेट्रो और उनके परिवार के कुछ सदस्यों पर ड्रग तस्करी से जुड़े संबंधों के आरोप लगाते हुए प्रतिबंध लगाए थे। कोलंबिया दुनिया का सबसे बड़ा कोकीन उत्पादक देश माना जाता है। कोकीन बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाला कोका पौधा कोलंबिया, पेरू और बोलीविया जैसे देशों में उगाया जाता है।

व्हाइट हाउस ने मादुरो से जुड़ा वीडियो शेयर किया : व्हाइट हाउस ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो जारी किया, जिसमें मादुरो के पुराने बयानों और अमेरिकी कार्रवाई के वीडियो दिखाए गए। इस वीडियो में अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ की टिप्पणी भी शामिल थी, जिसमें उन्होंने कहा कि मादुरो को मौका दिया गया था, लेकिन उन्होंने उसे गंवा दिया और अब उन्हें इसके नतीजे भुगतने पड़ रहे हैं। इस वीडियो में मादुरो को अमेरिका को चुनौती देते हुए दिखाया गया है। इसके साथ ही उस सैन्य कार्रवाई की फुटेज भी शामिल है, जिसमें अमेरिकी सेना ने मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को पकड़ने के लिए छापा मारा। यह वीडियो कुल 61 सेकंड का है। वीडियो में राष्ट्रपति ट्रंप की वेनेजुएला पर की गई कार्रवाई को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस के सीन भी दिखाए गए हैं।

विदेश मंत्री जयशंकर ने लक्जमबर्ग के राष्ट्राध्यक्ष ग्रैंड ड्यूक गुइलौम से की मुलाकात

लक्जमबर्ग सिटी, एजेंसी। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर लक्जमबर्ग के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने मंगलवार को लक्जमबर्ग के राष्ट्राध्यक्ष ग्रैंड ड्यूक गुइलौम से मुलाकात की। जयशंकर ने गुइलौम से मुलाकात की तस्वीर भी साझा की। विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि आज लक्जमबर्ग के राष्ट्राध्यक्ष ग्रैंड ड्यूक गुइलौम से मुलाकात करना मेरे लिए सम्मान की बात रही। उन्हें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। भारत के प्रति उनकी सकारात्मक भावनाओं और हमारी द्विपक्षीय साझेदारी को और प्रगाढ़ बनाने के उनके दृष्टिकोण की मैं सराहना करता हूँ। इससे पहले भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत और लक्जमबर्ग फिनटेक, स्पेस, डिजिटल दुनिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में और ज्यादा प्रोडक्टिव तरीके से सहयोग कर सकते हैं। लक्जमबर्ग के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री जेवियर बेटेल के साथ अपनी मीटिंग के दौरान ईएएम एस जयशंकर ने भरोसा जताया कि दोनों देशों को इन चर्चाओं से फायदा हो सकता है। ईएएम जयशंकर ने कहा, 'मैं देख सकता था कि यहां हमारा एक बहुत सक्रिय समुदाय है। लेकिन, आप जानते हैं कि हमारे पास जो बहुत सॉलिड ट्रेड अकाउंट है।

पीएम मोदी के मुकाबले ट्रंप कमजोर, पलटे जा सकते हैं फैसले; एक्सपर्ट ने क्यों कहा ऐसा

वाशिंगटन, एजेंसी। जियो-पॉलिटिकल एक्सपर्ट इयान ब्रेमर ने अमेरिका द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के बाद वाइट हाउस की नीति पर गंभीर सवाल उठाए हैं। ब्रेमर ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन को वेनेजुएला से मिलने वाले अल्पकालिक लाभ दीर्घकालिक नहीं रह सकते, क्योंकि ट्रंप का कार्यकाल सीमित है और उनके उत्तराधिकारी उनके कई फैसलों को पलट सकते हैं। उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना में ट्रंप की स्थिति को कमजोर बताया। मोदी अपनी लोकप्रियता के बल पर 10 वर्षों से अधिक समय से सत्ता में हैं, जबकि ट्रंप अलोकप्रिय हैं, 80 वर्ष के हैं और 2029 में पद छोड़ देंगे। ब्रेमर का मानना है कि अमेरिका में हर चार साल में होने वाला नेतृत्व परिवर्तन नीतियों में निरंतरता की कमी पैदा करता है, जो चीन, रूस या भारत जैसे देशों में नहीं देखी जाती।

इंडिया टुडे से बातचीत में ब्रेमर ने बताया कि ट्रंप का उत्तराधिकारी उनके कई कार्यों को उलट सकता है, ठीक वैसे ही जैसे ट्रंप ने अपने पूर्ववर्ती के साथ किया। ब्रेमर ने कहा कि चीन, रूस और भारत के विपरीत, अमेरिका में हर चार साल में नेतृत्व बदलने से सरकारी नीतियों में निरंतरता नहीं रहती, जिसके परिणाम आने में समय लगता है।

ब्रेमर ने आगे कहा कि खैर, अगला राष्ट्रपति ट्रंप के कई फैसलों को पलट सकता है। यह शी जिनपिंग नहीं हैं।

ये मोदी भी नहीं हैं, जो भारत में 10 साल से अधिक समय से शासन कर रहे हैं और एक लोकतंत्र में काफी लोकप्रिय हैं। ये ट्रंप हैं, जो काफी अलोकप्रिय हैं, 80 साल के हैं और तीन साल में सत्ता से बाहर हो जाएंगे। ब्रेमर ने कहा कि वैश्विक तेल कीमतें, वेनेजुएला में राजनीतिक स्थिरता और ट्रंप के बाद का युग कैसा होगा, ये सभी तय करेंगे कि अमेरिका को कराकास के विशाल तेल भंडार से दीर्घकालिक लाभ मिलेगा या नहीं। तेल की बात करें तो आप जानते हैं कि वेनेजुएला इस समय प्रतिदिन केवल लगभग 8 लाख बैरल तेल का उत्पादन कर रहा है। यह पहले 30 लाख बैरल हुआ करता था। लेकिन इसे बढ़ाने के लिए राजनीतिक स्थिरता की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि आपको एक ऐसे आर्थिक वातावरण की आवश्यकता है जिसमें तेल कंपनियां भरोसा कर सकें।

आयरिश उपन्यास 'द गैडफ्लाई' से शी जिनपिंग को मुश्किल वक्त में मदद मिली थी

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने आयरलैंड के प्रधानमंत्री माइकल मार्टिन से मुलाकात के दौरान अपनी जिंदगी से जुड़ी एक खास बात साझा की। उन्होंने बताया कि किशोर उम्र में जब वे अपनी जिंदगी के सबसे मुश्किल दौर से गुजर रहे थे, तब एक आयरिश उपन्यास ने उन्हें मानसिक सहारा दिया था। बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में सोमवार सुबह हुई इस मुलाकात में आयरिश प्रधानमंत्री माइकल मार्टिन ने शी जिनपिंग से कहा कि उन्होंने भी वही किताब अपने युवाकाल में पढ़ी थी। उस किताब का नाम है 'द गैडफ्लाई', जिसे एथेल वोयनिच ने लिखा था। मार्टिन ने बताया कि इस किताब ने उन पर भी गहरा असर डाला था। माइकल मार्टिन ने कहा कि यह एक संयोग था कि दोनों ने एक ही किताब किशोर उम्र में पढ़ी और दोनों पर उसका गहरा प्रभाव पड़ा। उन्होंने यह भी बताया कि उनके पास इस किताब का पहला संस्करण है, जो उन्हें उनके एक रिश्तेदार ने भेंट किया था। 'द गैडफ्लाई' उपन्यास 1897 में प्रकाशित हुआ था। इसकी कहानी 1830 और

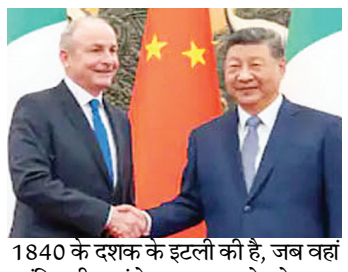

1840 के दशक के इटली की है, जब वहां क्रांतिकारी आंदोलन चल रहे थे। यह किताब आजादी, संघर्ष और साथ मिलकर लड़ने की भावना को दिखाती है। इसी वजह से यह किताब आयरलैंड के राष्ट्रवादियों और बाद में सोवियत यूनियन और चीन के कम्युनिस्टों के बीच भी काफी लोकप्रिय रही। रिपोर्ट के मुताबिक, शी जिनपिंग के पिता चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के बड़े नेता थे। सांस्कृतिक क्रांति के दौरान उनके पिता को पद से हटा दिया गया, जिसके बाद शी जिनपिंग को किशोर उम्र में गांव भेज दिया गया। वहां उन्होंने खेतों में मजदूरी की और रात में एक गुफा में सोया। बाद में शी जिनपिंग ने इस दौर को अपनी जिंदगी के लिए बहुत अहम बताया।

नेपाल में ओली-प्रचंड और देऊबा की पार्टियों में गठबंधन संभव

सीट बंटवारे और स्ट्रैटजी पर बातचीत जारी, 20 दिन बाद ऊपरी सदन का चुनाव

काठमांडू, एजेंसी। नेपाली में तीन पूर्व पीएम शेर बहादुर देउबा, केपी शर्मा ओली और पुष्प कमल दाहाल प्रचंड की पार्टियां गठबंधन की तैयारी कर रही हैं। ये गठबंधन संसद के ऊपरी सदन 'राष्ट्रीय सभा' के लिए चुनाव के लिए हो सकता है। इस गठबंधन में मधेस क्षेत्र की पार्टी को भी शामिल करने पर विचार हो रहा है। नेपाली अखबार द काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, नेपाली कांग्रेस, सीपीएन-यूएमएल, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी और जनता समाजवादी पार्टी के बीच सीट बंटवारे और साझा रणनीति पर बात हो रही है। यह चुनाव 25 जनवरी को होना है। राष्ट्रीय सभा में कुल 59 सदस्य होते हैं। इनमें से हर दो साल में एक-तिहाई सदस्य रिटायर होते हैं। इस बार 4 मार्च को 18 सदस्यों का कार्यकाल पूरा हो रहा है। इन्हीं खाली होने वाली सीटों को भरने के लिए चुनाव कराया जाएगा।

शुरुआती बातचीत में यह बात सामने आई है कि कांग्रेस को 7 सीटें, यूएमएल को 6 सीटें, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी को 4 सीटें और जनता समाजवादी पार्टी नेपाल को 1 सीट मिल सकती है। इस बैठक में सीट बंटवारे पर चर्चा हुई। वहीं यूएमएल ने भी अपने उम्मीदवार तय करने के लिए मंगलवार को पार्टी सचिवालय की बैठक बुलाई है। चुनाव कार्यक्रम के मुताबिक सभी उम्मीदवारों को बुधवार यानी 7 जनवरी को नामांकन दाखिल करना होगा। राष्ट्रीय सभा में कुल 59 सदस्य होते हैं। इनमें से 56 सदस्य चुनाव के जरिए चुने जाते हैं, जबकि 3 सदस्य सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति की तरफ से मनोनीत होते हैं। इन मनोनीत सदस्यों में कम से कम एक महिला होना जरूरी होता है। राष्ट्रीय सभा में कुल 59 सदस्य होते हैं। इनमें से 56 सदस्य चुनाव के जरिए चुने जाते हैं, जबकि 3 सदस्य सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति की तरफ से मनोनीत होते हैं। इन मनोनीत सदस्यों में कम से कम एक महिला होना जरूरी होता है।

आम चुनाव के लिए भी बातचीत जारी : कांग्रेस की केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक में उपाध्यक्ष पूर्ण बहादुर खड्का ने बताया कि संविधान बनाने में शामिल राजनीतिक ताकतें राष्ट्रीय सभा चुनाव के लिए एकजुट होने पर सहमत हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा की ओर से खड्का ने पहले भी केपी शर्मा ओली से गठबंधन को लेकर बातचीत की थी। हालांकि कांग्रेस और यूएमएल के बीच आने वाले संसदीय चुनावों के लिए भी गठबंधन की चर्चा चल रही है, लेकिन इस पर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। नेपाल में 5 मार्च 2026 को आम चुनाव होने वाले हैं। इस दिन देश के नागरिक संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के लिए मतदान करेंगे, जिसमें कुल 275 सदस्य चुने जाते हैं।

वेनेजुएला के खिलाफ कार्रवाई पर अमेरिकी संसद से लेकर सड़क तक मतभेद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका द्वारा वेनेजुएला में सैन्य कार्रवाई और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी को लेकर अमेरिकी संसद में गंभीर मतभेद उभरते दिखे हैं। अमेरिकी संसद (कांग्रेस) में ट्रंप द्वारा सांसदों से परामर्श किए बिना इतना बड़ा कदम उठाने को एक नए युग के विस्तारवाद की शुरुआत माना जा रहा है। इस असंतोष को लेकर विदेश मंत्री मार्को रुबियो को सोमवार देर रात कांग्रेस नेताओं के सामने वेनेजुएला सैन्य अभियान की जानकारी पेश करनी पड़ी। उधर, इस कार्रवाई के विरुद्ध लोग सड़कों पर भी उतरे हैं।

अमेरिकी संसद में भी ट्रंप की कार्रवाई का विरोध : अमेरिकी कांग्रेस का कहना है कि ट्रंप बिना परामर्श या कांग्रेस से अनुमति लिए अनुचित कदम उठा रहे हैं। इसी चिंता के बीच रिपब्लिकन नेता कैपिटल हिल (अमेरिकी संसद भवन) में बंद कमरे में हुई बैठक में वेनेजुएला के राष्ट्रपति को जबरन सत्ता से हटाने के ट्रंप के फैसले का समर्थन करते हुए दाखिल हुए, लेकिन कई डेमोक्रेट्स ने सवाल उठाया कि वेनेजुएला तट पर नौसैनिक बेड़ा तैनात है, जबकि देश के घाटे में चल रहे तेल उद्योग में पुनर्निवेश जरूरी है। उनका कहना है कि युद्ध शक्ति प्रस्ताव पर कांग्रेस की मंजूरी बिना वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई प्रतिबंधित है। अब सीनेट में इस सप्ताह इस मुद्दे पर चर्चा संभावित है।

ट्रंप की कार्रवाई विदेश नीति के प्रति खतरनाक दृष्टिकोण : शूमर : सीनेट के डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर ने चेताया कि वेनेजुएला में ट्रंप की कार्रवाई विदेश नीति के प्रति एक खतरनाक दृष्टिकोण की मात्र शुरुआत है, क्योंकि राष्ट्रपति सार्वजनिक रूप से कोलंबिया, क्यूबा और ग्रीनलैंड में अपनी रुचि का संकेत दे रहे हैं। उधर, सीनेट की विदेश संबंध समिति में वरिष्ठ डेमोक्रेट सदस्य सीनेटर जीन शाहीन ने कहा, अभी भी कई सवालों के जवाब मिलने बाकी हैं। अमेरिका को वेनेजुएला घटनाक्रम की कितनी कीमत चुकानी पड़ेगी? प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति में शीर्ष डेमोक्रेट, न्यूयॉर्क के सांसद ग्रेगरी मीक्स ने कहा, सांसदों को अंधेरे में रखा गया। अमेरिकी गवर्नर चुनावों में भी वेनेजुएला मुद्दा हावी है। कैंटुकी के सांसद थॉमस मैसी और ट्रंप का समर्थन प्राप्त सेवानिवृत्त नौसेना सील अधिकारी एड गैलरेन आमने-सामने हैं। मैसी ने मादुरो को पकड़ने की निंदा की। हमने इसके लिए ट्रंप को वोट नहीं दिया था। यूएन ने वेनेजुएला मुद्दे पर दुख जताते हुए अस्थिरता की आशंका जताई। यूएन की राजनीतिक व शांति निर्माण मामलों की अवर महासचिव रोजमेरी ए. डिकार्लो ने सुरक्षा परिषद की बैठक में इस स्थिति को गंभीर समय करार देते हुए कहा, अमेरिकी कार्रवाई के बाद हताहतों की संख्या अभी तक स्पष्ट नहीं है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले जारी; चोरी के शक में पीछा, नहर में छलांग लगाने से गई जान

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर लक्षित हमलों की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। चोरी के संदेह में भीड़ के पीछा करने से बचने के लिए 25 वर्षीय हिंदू युवक मिथुन सरकार ने नहर में छलांग लगा दी, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार दोपहर भंडारपुर गांव के निवासी मिथुन का शव बरामद किया। यह घटना पड़ोसी देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों को निशाना बनाकर की जा रही हिंसा में तीव्र वृद्धि के बीच हुई है। मिथुन सरकार की मौत पिछले कुछ दिनों में सामने आई क्रूर हमलों की श्रृंखला में यह नई घटना है।

हिंदू, बौद्ध और ईसाई एकता परिषद ने एक बयान जारी कर दिसंबर महीने में कम से कम 51 लक्षित घटनाओं का खुलासा किया है, जिनमें 10 हत्याएं शामिल हैं। परिषद ने आगजनी, बलात्कार और लूटपाट के मामलों का विस्तृत विवरण देते हुए गंभीर चिंता व्यक्त की है कि ये अत्याचार 12 फरवरी को होने वाले मतदान से पहले अल्पसंख्यकों को डराने-धमकाने का एक सुनियोजित प्रयास प्रतीत होते हैं। परिषद की रिपोर्ट में कहा गया है कि बांग्लादेश ने पहले भी राजनीतिक उथल-पुथल का सामना किया है, लेकिन वर्तमान समय में संस्थागत कमजोरी और बढ़ती सांप्रदायिक चिंता का खतरनाक संयोजन देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि ये सब उस समय हो रहा जब देश 12 फरवरी 2026 को होने वाले संसदीय चुनावों की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा कि शेख हसीना सरकार के 2024 में गिरने के बाद अंतरिम सरकार के कार्यकाल में अल्पसंख्यकों पर हमलों में तेजी आई है।

पिछले कुछ दिनों में हुई अन्य घटनाएं...

5 जनवरी को जेसोर जिले में हिंदू व्यापारी और समाचार पत्र के कार्यवाहक संपादक राणा कांति बैरागी की गोली मारकर हत्या

5 जनवरी को ही नरसिंगदी में किराने की दुकान मालिक मोनी चक्रवर्ती की धारदार हथियारों से हमला कर हत्या

3 जनवरी को शरियतपुर जिले में खोकोन चंद्र दास पर हमला, इलाज के दौरान अस्पताल में मौत

इससे पहले दिसंबर में राजबारी में अमृत मंडल की पीट-पीटकर हत्या और मयमनसिंह में दीपू चंद्र दास की भीड़ द्वारा पीटकर हत्या कर शव जलाने की घटनाएं सामने आई थीं।

अमेरिका पहुंचेगा वेनेजुएला का 50 मिलियन बैरल तेल, दोनों देशों को होगा फायदा : ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वेनेजुएला की अंतरिम सरकार अमेरिका को 30 मिलियन से 50 मिलियन बैरल प्रतिबंधित तेल सौंपेगी। ट्रंप के अनुसार, यह कदम वेनेजुएला और अमेरिका दोनों के लोगों के हित में होगा। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर बताया कि यह तेल बाजार भाव पर बेचा जाएगा और वह व्यक्तिगत रूप से देखेंगे कि राजस्व का उपयोग कैसे किया जाता है।। उन्होंने लिखा कि इस पैसे का उपयोग वेनेजुएला और अमेरिका के लोगों की भलाई के लिए किया जाएगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उन्होंने ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट को इस योजना पर तुरंत अमल करने का निर्देश दिया है। उनके अनुसार, तेल को स्टोरेज जहाजों पर लोड किया जाएगा और सीधे संयुक्त राज्य अमेरिका में अनलोडिंग डॉक तक पहुंचाया जाएगा। ट्रंप ने साफ कहा कि तेल बाजार कीमत पर ही बेचा जाएगा और इससे मिलने वाले धन पर नियंत्रण अमेरिका के राष्ट्रपति के पास रहेगा। यह घोषणा अमेरिका की हालिया सैन्य कार्रवाई के बाद आई है, जिसमें वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को हिरासत में लिया गया और कारकस में सत्ता परिवर्तन हुआ। ट्रंप पहले भी कह चुके हैं कि अब वेनेजुएला में तेल, व्यापार और सुरक्षा जैसे मामलों में शर्तें अमेरिका तय करेगा। ट्रंप के इस बयान पर पूरी दुनिया का ध्यान गया, क्योंकि वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा प्रमाणित तेल भंडार है। हालांकि, प्रतिबंधों, खराब प्रबंधन और निवेश की कमी के कारण वहां तेल उत्पादन काफी गिर गया है।

गौरतलब है कि भारत भी एक समय वेनेजुएला का बड़ा तेल खरीदार था, लेकिन अमेरिका के प्रतिबंधों के चलते 2019 में भारतीय रिफाइनरियों को वहां से तेल खरीदना बंद करना पड़ा। तब से, भारत मध्य पूर्व, रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका से

तेल पर अधिक निर्भर हो गया है। अगर वेनेजुएला का इतना बड़ा तेल अमेरिका भेजा जाता है, तो वैश्विक कच्चे तेल के प्रवाह का स्वरूप बदल सकता है। वेनेजुएला का भारी तेल अमेरिका के खाड़ी तट की रिफाइनरियों के लिए उपयुक्त माना जाता है, जो पहले लैटिन अमेरिका और कनाडा से तेल आयात पर निर्भर थीं।

इस योजना के आगे बढ़ने पर चीन तक पहुंचने वाले वेनेजुएला के तेल की मात्रा भी कम हो सकती है, क्योंकि अभी चीन वहां का सबसे बड़ा खरीदार है। वैश्विक तेल आपूर्ति में किसी भी बदलाव से कीमतों और उपलब्धता पर असर पड़ सकता है। भारत जैसे देशों में इस पर खास नजर रखी जाती है, क्योंकि देश को बड़ी मात्रा में आयातित ऊर्जा पर निर्भर रहना पड़ता है।

ट्रंप ने इस कदम को आर्थिक और रणनीतिक फैसला बताया है। उनका कहना है कि वेनेजुएला के तेल पर अमेरिका का ज्यादा नियंत्रण होने से आपराधिक नेटवर्क कमजोर होंगे और क्षेत्र में स्थिरता आएगी। ट्रंप के अनुसार, इस योजना को तुरंत लागू किया जाएगा।

वेनेजुएला के तेल सेक्टर में निवेश करेगा अमेरिका : मादुरो की गिरफ्तारी के बाद ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी तेल कंपनियां वेनेजुएला के खराब हो चुके तेल ढांचे को ठीक करने के लिए अरबों डॉलर का निवेश करेंगी। इससे वेनेजुएला को दोबारा तेल उत्पादन से कमाई शुरू करने में मदद मिलेगी। फ्लोरिडा में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका अब तेल बेचने के कारोबार में है और अन्य देशों को भी तेल सप्लाई करेगा। उन्होंने कहा कि खराब ढांचे की वजह से वेनेजुएला खुद ज्यादा तेल नहीं निकाल पा रहा था। इससे पहले ट्रम्प ने सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में यह कहा था कि हमें डेल्सी रोड्रिग्ज के जरिए वेनेजुएला तक पूरी पहुंच चाहिए। ट्रम्प ने वेनेजुएला को मरा हुआ देश बताते हुए कहा कि उसे दोबारा खड़ा करना जरूरी है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पंजाब में डिस्ट्रिक्ट कोर्ट परिसरों को बम से उड़ने की धमकी, मच गया हड़कंप

मोगा (एजेंसी)। पंजाब में डिस्ट्रिक्ट कोर्ट परिसरों फिरोजपुर और मोगा को आरडीएक्स से उड़ने की धमकी मिली है। इसके बाद कोर्ट परिसर में हड़कंप मच गया है और कोर्ट परिसर के गेट बंद कराए गए हैं। जानकारी के अनुसार किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा मेल भेज कर धमकी दी गई है कि मोगा और फिरोजपुर कोर्ट परिसर को आरडीएक्स के साथ उड़ा दिया जाएगा। जिला बार एसोसिएशन फिरोजपुर के प्रधान वकील लवजीतपाल सिंह टूरना ने संपर्क करने पर बताया कि उन्हें माननीय जज साहिब द्वारा यह संदेश दिया गया है कि फिरोजपुर कोर्ट परिसर को आरडीएक्स के साथ उड़ने की धमकी मिली है। यह देखकर एहतियात के तौर पर कोई भी वकील ,क्लर्क या क्लाइंट कोर्ट परिसर में ना दाखिल ना हो। उन्होंने बताया कि जुडिशल अधिकारी के आदेश को मानते हुए जिला बार एसोसिएशन फिरोजपुर के वकील, क्लर्क और क्लाइंट वापस आ गए हैं। जानकारी के अनुसार फिरोजपुर कोर्ट परिसर में पुलिस द्वारा डॉग स्काड और बंब निरोधक टीमों को साथ लेकर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

राजौरी जिले में सुरक्षा बलों ने 4 किलो का आईईडी बरामद कर निष्क्रिय किया

राजौरी (एजेंसी)। राजौरी जिले में सुरक्षा बलों ने महत्वपूर्ण आतंकवादी साजिश को नाकाम कर 4 किलो का संदिग्ध इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद कर निष्क्रिय किया। यह सफलता सेना और पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन के दौरान मिली, जो विश्वसनीय टिप-ऑफ के आधार पर डोरी माल के कल्लर क्षेत्र के घने जंगल में शुरू किया। सुरक्षा बलों ने तुरंत इलाके को घेराबंदी कर गहन तलाशी अभियान शुरू किया। जंगल वाले इलाके में उन्नत पहचान तकनीकों का उपयोग करते हुए सैनिकों और पुलिस ने दबे हुए संदिग्ध सामान का पता लगा लिया। जांच में यह पुष्टि हुई कि यह करीब 4 किलो का परिष्कृत आईडीडी था, जो कि अगर विस्फोट किया जाता, तब गंभीर नुकसान हो सकता था। पास में खाली खोल भी मिले, जिन्हें फोरेंसिक जांच के लिए सुरक्षित किया। आईईडी को नियंत्रित विस्फोट (कंट्रोल्ड ब्लास्ट) के माध्यम से निष्क्रिय किया, जिससे आसपास के नागरिक सुरक्षित रहे। ऑपरेशन के बाद साइट को साफ किया, लेकिन अतिरिक्त संदिग्धों या डिवाइस की जांच जारी है। सुरक्षा बल क्षेत्र में गश्त तेज कर सुरक्षा बनाए रखने में जुटे हैं। इस बीच, जम्मू और कश्मीर के कठुआ जिले में भी सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसके बाद संयुक्त बलों ने तलाशी अभियान और बढ़ा दिया। यह कार्रवाई दोनों जिलों में आतंकवादी गतिविधियों को रोकने और नागरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में अहम साबित हुई।

त्रिपुरा में सुरक्षा बलों ने छह लाख गांजे के पौधे नष्ट किए... अनुमानित कीमत 145 करोड़

त्रिपुरा (एजेंसी)। त्रिपुरा के सेपाहिजाला जिले में सुरक्षा बलों ने छह लाख गांजे के पौधे नष्ट किए, जिससे 10 दिनों में कुल करीब 30 लाख पौधे नष्ट हो गए। इन पौधों की अनुमानित कीमत 145 करोड़ आंकी गई है। पुलिस के अनुसार, दिन भर चले संयुक्त ऑपरेशन में केंद्रीय और राज्य सुरक्षा बलों ने करीब 200 एकड़ क्षेत्र में 65 प्लॉटों पर उगाए गए पौधों को नष्ट किया। नष्ट किए गए पौधों की कीमत लगभग 36 करोड़ रुपये है। ऑपरेशन में त्रिपुरा पुलिस, त्रिपुरा स्टेट राइफल्स, असम राइफल्स, बीएसएफ, वन विभाग और जिला प्रशासन ने मिलकर काम किया। यह अभियान सोनमुरा, मेलागढ़ और कलामचौरा के तहत आने वाले गांवों में हुआ, जो बांग्लादेश सीमा के पास हैं। असम राइफल्स ने कहा कि यह ऑपरेशन अवैध गतिविधियों को रोकने और क्षेत्र में सुरक्षा बनाए रखने में सहयोगी एजेंसियों के संभावित प्रयासों को दिखाता है। इससे पहले, सुरक्षा बलों ने 414 एकड़ पहाड़ी जमीन पर फैले 23 लाख से अधिक गांजे के पौधे नष्ट किए थे, जिनकी कीमत करीब 108 करोड़ रुपये थी। इसतरह अन्य जिलों जैसे उनाकोटी, दक्षिण त्रिपुरा और खोवाई में भी कई लाख पौधे नष्ट किए गए। वहीं सुरक्षाबलों ने अवैध खेती में शामिल कई लोगों को एनडीपीएस एक्ट, 1985 के तहत गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि कई बार जंगल और सरकारी जमीन पर कब्जा करके गांजे की खेती की जा रही थी। इस कानून के तहत किसी भी व्यक्ति के लिए नशीले पदार्थ की खेती, रखरखाव, बिक्री या सेवन गैर-कानूनी है, और उल्लंघन करने पर 20 साल तक जेल और भारी जुर्माना हो सकता है। इसी दौरान पश्चिम बंगाल के ट्रक से 12,600 बोतल एस्कुफ कफ सिरप, 16,000 रुपए और दो मोबाइल जब्त किए गए, जिसमें दो लोग गिरफ्तार हुए।

कठुआ के कहोग गांव में सुरक्षा बल और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़

कठुआ (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ के बिलावर क्षेत्र के कहोग गांव में सुरक्षा बल और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ जारी है। अधिकारियों के अनुसार, जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े तीन आतंकवादी गांव में छिपे हुए हैं और उन्हें पकड़ने के लिए सुरक्षा बल तलाशी अभियान जारी हैं। मुठभेड़ बुधवार शाम शुरू हुई, जब दो से तीन आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली। जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) और अन्य सुरक्षा बलों ने मिलकर कार्रवाई की। मुठभेड़ में एक सुरक्षाकर्मी को पैर में गोली लगी और उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। अधिकारी बताते हैं कि घने जंगल और दुर्गम इलाके में रात भर घेराबंदी के बाद तलाश अभियान फिर से शुरू किया। धनु परोल-कमाध नाला क्षेत्र में हवाई निगरानी के साथ अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। जम्मू जोन के आईजीपी भीम सेन तूती ने बताया कि अंधेरा और कठिन भूभाग होने के बावजूद एसओजी आतंकवादियों से लगातार मुकाबला कर रही है। सीआरपीएफ की टीम भी संयुक्त अभियान में शामिल है। मुठभेड़ करीब एक घंटे चली, इसके बाद गोलीबारी रुक गई। फिलहाल यह जानकारी नहीं है कि कोई आतंकवादी हताहत हुआ या नहीं। अधिकारियों ने बताया कि पिछले एक महीने से सेना, बीएसएफ, पुलिस और सीआरपीएफ सीमा क्षेत्रों में लगातार तलाशी अभियान चला रहे हैं। वे सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वालों की पहचान कर रहे हैं और सांबा एवं कठुआ जिलों में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास गश्त तेज कर रहे हैं। गणतंत्र दिवस से पहले बीएसएफ, सीमा पुलिस और ग्राम रक्षा गार्ड समेत सभी सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट पर रखा गया है। इस कार्रवाई का मकसद न केवल आतंकवादियों को पकड़ना बल्कि सीमा सुरक्षा मजबूत करना और स्थानीय लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। कठुआ जिले के दुर्गम इलाके में सक्रिय आतंकवादी समूहों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लगातार चल रही है।

उप्र चुनाव में मतदाता सूची से 2.89 करोड़ नाम हटे, भाजपा ने शुरू किया डैमेज कंट्रोल अभियान

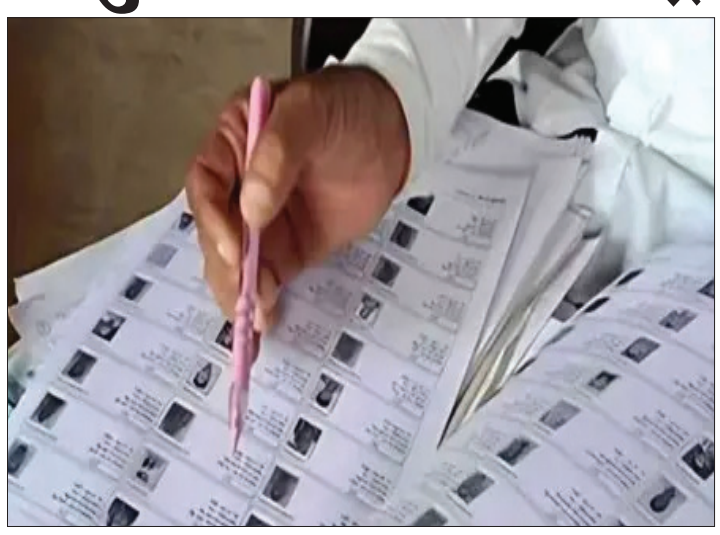

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी ताजा ड्राफ्ट के अनुसार, प्रदेश की मतदाता सूची से करीब 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। यह संख्या राज्य के कुल मतदाताओं का लगभग 18.70 प्रतिशत है, जिसने राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है। इस भारी कटौती के बाद अब उत्तर प्रदेश की ड्राफ्ट सूची में मतदाताओं की कुल संख्या घटकर 12.55 करोड़ रह गई है।

निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि नाम हटाए जाने के पीछे मुख्य रूप से मतदाताओं की मृत्यु, उनके निवास स्थान में बदलाव (पलायन), लंबे समय से अनुपस्थिति या एक से अधिक स्थानों पर नाम दर्ज होना जैसे तकनीकी और वास्तविक कारण शामिल हैं। हालांकि, इतनी बड़ी संख्या में वोट कटने से सत्ताधारी दल भारतीय जनता पार्टी की चिंताएं बढ़ गई हैं। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने इस स्थिति से निपटने और चुनावी गणित को दुरुस्त करने के लिए तत्काल डैमेज कंट्रोल की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। इस मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने मंत्रियों, सांसदों और विधायकों के साथ एक महत्वपूर्ण वर्चुअल बैठक की। पार्टी ने अपने संगठन को स्पष्ट निर्देश दिया है कि प्रत्येक कार्यकर्ता और नेता अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय हों और हर पोलिंग बूथ पर कम से कम 200 नए मतदाताओं के नाम जुड़वाना सुनिश्चित करें। प्रदेश में कुल 1.77 लाख पोलिंग बूथ हैं और इस लक्ष्य के जरिए पार्टी लगभग 3.5 करोड़ नए और वास्तविक मतदाताओं को सूची में शामिल करने की योजना बना रही है।

भाजपा की इस रणनीति में प्रवासियों और युवाओं पर विशेष फोकस रखा गया है। पार्टी उन लोगों को वापस मतदाता सूची में जोड़ने का प्रयास करेगी जो उत्तर प्रदेश के मूल निवासी हैं लेकिन काम के सिलसिले में दिल्ली जैसे अन्य राज्यों में रह रहे हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा गया है कि वे ऐसे लोगों से अनुरोध करें कि चूंकि अन्य राज्यों में तत्काल कोई बड़े चुनाव नहीं हैं, इसलिए वे 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए उत्तर प्रदेश में अपना पंजीकरण कराएं। साथ ही, उन वोटर्स पर भी ध्यान दिया जा रहा है जिन्होंने सुरक्षा या अन्य आशंकाओं के चलते शहरों के बजाय गांवों में वोट रखा था, लेकिन लंबी दूरी के कारण वे मतदान करने नहीं जा पाते। निर्वाचन आयोग के कार्यक्रम के अनुसार, मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने से जुड़ी आपत्तियों और दावों का निपटारा 6 जनवरी से 6 फरवरी तक किया जाएगा। इसके बाद 6 मार्च को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। इस बीच, भाजपा ने अपने कार्यकर्ताओं को विकसित भारत अभियान के जरिए जमीनी स्तर पर पकड़ मजबूत करने और सरकारी योजनाओं के लाभों के प्रति जागरूकता फैलाने का भी निर्देश दिया है।

रेड वाली जगह पर पहुंची ममता... मैं बीजेपी पार्टी ऑफिस पर रेड करूं तब क्या होगा?

पश्चिम बंगाल (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय देश भर में 15 जगहों पर तलाशी अभियान चला रहा है। यह तलाशी एक संगठित गिरोह के खिलाफ फर्जी सरकारी नौकरी घोटाले से जुड़े मामले में की जा रही है, जो लोगों को फर्जी नौकरियां देकर ठगी कर रहा था। इसी कड़ी में कोलकाता में इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी के ऑफिस में ईडी की रेड चल रही थी। तभी वहां पहुंची पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, ...क्या ईडी, अमित शाह का काम पार्टी की हार्ड डिस्क, कैंडिडेट लिस्ट इकट्ठा करना है?... यह गृह मंत्री जो देश की रक्षा नहीं कर सकता और मेरे पार्टी के सारे कागजात ले जा रहा है। अगर मैं बीजेपी पार्टी ऑफिस पर रेड करूं तब क्या होगा? एक तरफ, वे पश्चिम बंगाल में एसआईआर करवाकर सभी वोटर्स के नाम हटा रहे हैं... चुनावों की वजह से, वे मेरी पार्टी के बारे में सारी जानकारी इकट्ठा कर रहे हैं। दरअसल गुरुवार सुबह ईडी की टीम साल्टलेक के सेक्टर-5 में आईपीएसी के ऑफिस में सर्च कर रही थी। इसी बीच, सेंट्रल एजेंसी की एक और टीम आईपीएसी के हेड प्रतीक जैन के घर पहुंची। प्रतीक जैन 7 लाउडन स्ट्रीट में रहते हैं। सूत्रों के मुताबिक, ईडी ने यह सर्च ऑपरेशन इसलिए शुरू किया ताकि पता लगा सके कि आई-पैक का दिल्ली में हुए वित्तीय फर्जीवाड़े से कोई कनेक्शन है या नहीं। ईडी सूत्रों के मुताबिक, यह छापा दिल्ली में कोयला तस्करी मामले में दर्ज एक पुराने केस से जुड़ा है।

अभिनेता धर्मेंद्र के निधन के बाद सांसद के रुप में काम पर लौटी हेमा... संसद खेल महोत्सव में पहुंची

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता धर्मेंद्र के निधन के बाद हेमा मालिनी ने पहली बार अपने काम पर वापसी की और उनके चेहरे पर खुशी दिखाई दी। मुंबई में एक समय कठिन और दुखभरा रहा, लेकिन अब वे अपने कर्तव्य और काम पर फोकस कर रही हैं। हेमा ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें वे मथुरा में आयोजित संसद खेल महोत्सव में खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाती दिख रही हैं। वीडियो में उनके चेहरे पर लंबे समय बाद मुस्कान देखी गई। मथुरा से सांसद हेमा ने लिखा कि मैराथन संसद खेल महोत्सव में राज्य के कोने-कोने से प्रतिभागी विभिन्न खेलों में भाग ले रहे हैं। विशेष रूप से शूटिंग, कुश्ती और अन्य बहु-विधाओं में कई लड़कियों ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की पहल से प्रतिभा को महत्व दिया जा रहा है और अब सभी प्रतिभागियों को अपने कौशल दिखाने का समान मौका मिल रहा है। मथुरा इसका उदाहरण है कि अब सभी को समान अवसर मिल रहे हैं। इस पोस्ट पर यूजर्स ने भी हेमा को मुस्कुराते देखकर अपनी खुशी जाहिर की है। एक यूजर ने उन्हें ÷चट्टान की तरह मजबूत और पवित्र आत्मा वाली÷ बताया, जबकि दूसरे ने लिखा कि ÷अपने गम को भुलाकर कर्म ही सच्ची सेवा है।÷ साथ ही, हाल ही में हेमा ने धर्मेंद्र की दो अलग-अलग प्रार्थना सभाओं को लेकर उठे सवालों पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह दोनों परिवारों का निजी मामला है। एक प्रार्थना सभा उन्होंने आयोजित की थी, जबकि दूसरी सनी देओल के घर रखी गई थी। हेमा मालिनी अब दुख को पीछे छोड़कर अपने कर्म और जनसेवा में लौट आई हैं, और उनकी मुस्कान दर्शकों और फैंस के लिए प्रेरणा बन गई है।

इम्तियाज जलील पर हमले से भड़के औवेसी... चुनाव में जनता वोट से जबाव देगी

छत्रपति संभाजी नगर (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष और सांसद इम्तियाज जलील पर हुए हमले की कड़ी आलोचना की है। सांसद ओवैसी ने कायरतापूर्ण हमला बताकर कहा कि औरंगाबाद की जनता लोकतांत्रिक तरीके से वोट के माध्यम से इसका जवाब देगी। ओवैसी ने कहा कि यह हमला उन लोगों की हताशा को दिखाता है, जिन्हें अपनी हार साफ दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि इस वार्ड और पूरे औरंगाबाद के लोग एमआईएमआईएम के चुनाव चिह्न 'पतंग' पर वोट देकर साजिश करने वालों को जवाब देने वाले है। साथ ही उन्होंने जिला प्रशासन से घटना के पीछे शामिल लोगों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई की मांग की। इसके एक दिन पहले ओवैसी ने छत्रपति संभाजीनगर में आज़ाद चौक से बुद्धि लेन तक रोड शो किया और स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी उम्मीदवारों के समर्थन में जनसंपर्क किया। इस दौरान बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहे।

औवेसी की पार्टी के सांसद जलील ने बताया कि रैली के लिए प्रशासन से अनुमति ली गई थी और मौके पर पुलिस भी मौजूद थी, इसके बावजूद 20 से 25 हथियारबंद लोगों ने रैली पर हमला किया। हमलावरों ने पार्टी कार्यकर्ताओं और वाहनों को निशाना बनाया, जिसमें कुछ लोग घायल हो गए। जलील ने कहा कि इस तरह की गुंडागर्दी से एआईएमआईएम की रैलियों को रोका नहीं जा सकता और पार्टी ने रैली शांतिपूर्ण तरीके से पूरी की। उन्होंने आरोप लगाया कि यह हिंसा चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने की साजिश है। जलील ने चेतावनी दी कि यदि एफआईआर दर्ज कर उचित कार्रवाई की जाती है, तब पार्टी संयम बनाए रखेगी, लेकिन कार्रवाई न होने की स्थिति में आगे की रणनीति पर विचार होगा। उन्होंने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और भाजपा से जुड़े नेताओं पर एआईएमआईएम के बढ़ते जनाधार से घबराने का आरोप भी लगाया।

उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग ने राज्य के 29 नगर निगमों के चुनाव की घोषणा की है। इसमें बीएमसी, पुणे और पिंपरी-चिंचवड नगर निगम शामिल हैं। मतदान 15 जनवरी को होगा, जबकि मतगणना 16 जनवरी को की जाएगी।

कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी की हालत स्थिर, एंटीबायोटिक्स और अन्य सहायक दवाएं दी जा रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार रात सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती हुई कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी की हालत स्थिर बनी हुई है। सर गंगाराम अस्पताल के अध्यक्ष डॉ. अजय स्वरूप ने इसकी जानकारी दी। अध्यक्ष ने बताया कि सोनिया गांधी का इलाज जारी है और वे स्वस्थ हो रही हैं। सांस लेने में तकलीफ होने के बाद सोमवार को कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी को सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती किया गया। अस्पताल के अध्यक्ष स्वरूप ने बताया कि विस्तृत चिकित्सा जांच के बाद पता चला कि दिल्ली में ठंड और प्रदूषण के मिले-जुले प्रभाव से सोनिया गांधी के ब्रोंकियल अस्थमा की समस्या थोड़ी बढ़ी थी। एहतियात के तौर पर डॉक्टरों ने उन्हें निगरानी और आगे के इलाज के लिए भर्ती करने का फैसला किया। स्वरूप ने कहा कि उन्हें सांस लेने में तकलीफ हो रही थी और चिकित्सकीय जांच में सामने आया कि ठंड और प्रदूषण के मिले-जुले प्रभाव से उनका ब्रोंकियल अस्थमा थोड़ा बढ़ गया था। एहतियात के तौर पर उन्हें आगे की निगरानी और इलाज के लिए भर्ती किया गया। फिलहाल उनकी हालत बिल्कुल स्थिर है। उनके इलाज के बारे में और जानकारी देकर अस्पताल के अध्यक्ष ने बताया कि सोनिया गांधी इलाज पर अच्छी प्रतिक्रिया दे रही हैं और उन्हें एंटीबायोटिक्स और अन्य सहायक दवाएं दी जा रही हैं। स्वरूप ने कहा कि उनकी हालत में सुधार के आधार पर इलाज करने वाले डॉक्टर उन्हें अस्पताल से छुट्टी देने का फैसला कर सकते है। स्वरूप ने कहा कि फिलहाल उनकी हालत बिल्कुल स्थिर है।

एक भी वोट विभाजित न हो, एक भी वोट कम न हो... का नारा देकर बीजेपी पर बरसे अखिलेश

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तप्रदेश की राजधानी लखनऊ में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भाजपा की योगी सरकार पर तीखा हमला कर कहा कि यदि संविधान और आरक्षण को बचाना है, तब पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समाज को एकजुट होना होगा। उन्होंने मतदाताओं और ÷पीडीए संरक्षकों÷ से अपील की कि आगामी चुनावों में पीडीए समुदाय के वोट किसी भी हालत में विभाजित न हों। उनका स्पष्ट संदेश था कि एक भी वोट विभाजित न हो, एक भी वोट कम न हो।÷

सपा नेता अखिलेश यादव ने आशंका जाहिर की कि भाजपा सरकार मतदाता सूचियों में गड़बड़ी कर सकती है और छूटे हुए नामों का दुरुपयोग कर नागरिकों को योजनाओं, नौकरियों, राशन कार्ड, जमीन और अन्य अधिकारों से वंचित कर सकती है। उन्होंने मतदाताओं से अपने वोटर आईडी को नागरिक पहचान का अहम दस्तावेज मानने और मतदान प्रक्रिया में पूरी सतर्कता बरतने की अपील की।

उन्होंने कहा कि वोटों की सुरक्षा केवल सरकार बदलने के लिए नहीं, बल्कि संवैधानिक अधिकारों, आरक्षण, रोजगार और संपत्ति की रक्षा के लिए जरुरी है। ÷अपना वोट दर्ज करें, अपना भविष्य बचाएं÷ के नारे के साथ उन्होंने पीडीए समाज से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। सोशल मीडिया पर अपने संदेश में उन्होंने कहा कि पीडीए समाज के लाखों वोट अब भी अलग-अलग हो रहे हैं, जिसे रोकने के लिए प्रत्येक मतदान केंद्र पर कड़ी निगरानी जरूरी है। अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा और उसके सहयोगियों का असली उद्देश्य चुनाव जीतकर सत्ता में आना और फिर भ्रष्टाचार में लिप्त होना है। उन्होंने कहा कि यदि पीडीए समाज के हाथों से निर्णायक मतदान अधिकार छिन गया, तब उत्पीड़न और बढ़ेगा तथा दबंग ताकतें मनमाने ढंग से सरकार बनाकर संविधान को कमजोर करेगी। उनका कहना था कि वोट बचाना ही संविधान, आरक्षण और रोजगार के अधिकारों को बचाने का एकमात्र रास्ता है। इसके पहले कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश की विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत मसौदा मतदाता सूची से 2.89 करोड़ नाम हटाने पर गंभीर चिंता जाहिर की थी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने इस ÷बड़ी साजिश बताकर निष्पक्ष जांच की मांग की।

मौसम का मिजाज: उत्तर भारत में कंपाने वाली ठंड और दक्षिण-पूर्वोत्तर में भारी बारिश का अलर्ट

चेन्नई (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। दक्षिण भारत में मानसून की विदाई के बावजूद बारिश का सिलसिला थमता नजर नहीं आ रहा है। केरल में आने वाले 72 घंटों के दौरान कई जिलों में मूसलाधार बारिश की चेतावनी जारी की गई है। समुद्र में ऊंची लहरें उठने और हवाओं की रफ्तार बढ़ने की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने मछुआरों को गहरे समुद्र में न जाने की सख्त सलाह दी है। तमिलनाडु में भी मौसम का मिजाज बदला हुआ है। चेन्नई समेत कई तटीय इलाकों में घने बादल छाए रहेंगे और झमाझम बारिश होने के आसार हैं। इसके अलावा पुडुचेरी और कराईकल जैसे केंद्र शासित प्रदेशों में भी मध्यम से भारी बारिश की संभावना है, जिससे निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हो सकती है। देश के मौसम में एक बार फिर बड़ा बदलाव होने के कारण एक तरफ जहां उत्तर भारत के मैदानी इलाके भीषण शीतलहर और कड़ाके की ठंड की चपेट में हैं, वहीं दक्षिण और पूर्वोत्तर भारत के कई राज्यों में अगले तीन दिनों तक भारी बारिश की संभावना जताई गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, विभिन्न मौसम प्रणालियों के सक्रिय होने के कारण देश के अलग-अलग हिस्सों में बारिश, तेज हवाओं और पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी का दौर शुरू होने वाला है।

पहाड़ी राज्यों में भी मौसम का असर काफी गहरा रहने वाला है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फबारी की आशंका है, जबकि निचले क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इस बर्फबारी और बारिश के कारण पहाड़ों से सटे मैदानी इलाकों में तापमान और नीचे गिरेगा, जिससे ठंड का प्रकोप और अधिक बढ़ जाएगा। सड़कों पर फिसलन और भूस्खलन के खतरे को देखते हुए यात्रियों को अतिरिक्त सावधानी बरतने को कहा गया है। दक्षिण के अन्य हिस्सों जैसे तटीय आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में भी अगले तीन दिनों तक 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं और जोरदार बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। पूर्वोत्तर भारत के अरुणाचल प्रदेश में बारिश के साथ बिजली गिरने की आशंका जताई गई है, वहीं अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में भी भारी बारिश को लेकर चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग ने आम जनता से अपील की है कि वे खराब मौसम के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करें।

भारत-अमेरिकी संबंधों पर बोले थरूर- राष्ट्रहित में विकल्प खुले रखना बेहद जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर दी गई हालिया टिप्पणियों पर देश में राजनीतिक बहस छिड़ गई है। इस संवेदनशील कूटनीतिक मुद्दे पर कांग्रेस सांसद और पूर्व राजनयिक शशि थरूर ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए संतुलित विदेश नीति की वकालत की है। थरूर का कहना है कि किसी भी देश के लिए उसके राष्ट्रहित सर्वोपरि होते हैं और कूटनीति का असली उद्देश्य शत्रुओं की संख्या को कम करना और मित्रों का दायरा बढ़ाना होना चाहिए।

हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे मिलने के लिए समय मांगा था। साथ ही, ट्रंप ने यह भी कहा कि रूसी तेल की खरीद पर अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्कों के कारण पीएम मोदी उनसे ज्यादा खुश नहीं हैं। ट्रंप के इन दावों के बीच, शशि थरूर ने कहा कि राष्ट्रहित का अर्थ केवल कड़े रुख अपनाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि हम अपने लिए बड़ी मुसीबतें या दुश्मन न बनाएं। थरूर ने भारत की बहुपक्षीय विदेश नीति पर जोर देते हुए कहा कि हमारे पास जितने अधिक विकल्प होंगे, हम किसी एक देश के मनमाने व्यवहार या उतार-चढ़ाव से उतने ही अधिक सुरक्षित रहेंगे। उन्होंने रेखांकित किया कि भारत वर्तमान में रूस और अमेरिका, दोनों के साथ मधुर संबंध साझा करता है, जबकि चीन के साथ भी कामकाजी रिश्ते बनाए हुए है। इसके साथ ही जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ भारत का बढ़ता तालमेल हमारी नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उनके अनुसार, कूटनीति में सुरक्षित रहने का सबसे बेहतर तरीका है कि सभी के साथ संपर्क के रास्ते खुले रखे जाएं।

दूसरी ओर, डोनाल्ड ट्रंप का रवैया काफी आक्रामक रहा है। हाउस जीओपी सदस्य रिट्रीट में अपने संबोधन के दौरान उन्होंने न केवल पीएम मोदी की मुलाकात के अनुरोध का जिक्र किया, बल्कि पूर्व में भारत पर आयात शुल्क (टैरिफ) बढ़ाने की चेतावनी भी दी थी। ट्रंप ने अपने संबोधन में यह संकेत देने की कोशिश की कि भारतीय नेतृत्व उनके साथ संबंधों को प्राथमिकता देता है। हालांकि, कूटनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप के ऐसे बयान अक्सर उनके घरेलू राजनीतिक एजेंडे और अमेरिका फर्स्ट की नीति से प्रेरित होते हैं। फिलहाल, भारतीय राजनीतिक हलकों में इस बात पर चर्चा तेज है कि अमेरिका के इस दबावपूर्ण रवैये के बीच भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को कैसे बरकरार रखता है।